RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-11 अंक:172 ता. 03 जनवरी 2023, मंगलेवार, कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

नेपाल में नई सरकार बनते ही बढ़ी चीन से नजदीकी, एयरपोर्ट के बाद अब रेलवे प्रोजेक्ट के लिए मांगी मदद

काठमांडू। नेपाल में नई सरकार बनते ही एक बार फिर चीन की तरफ झुकाव बढ़ने लगा है। नेपाल के नए प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड ने चीन की मदद से बने अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन किया है। पोखरा पश्चिमी नेपाल का एक महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल है। उद्घाटन के मौके पर उपप्रधानमंत्री और वित्त मंत्री बिष्णु पौडेल के साथ अन्य कई शीर्ष नेता मौजूद थे। जानकारी के मुताबिक फरवरी के दूसरे सप्ताह से यहां से अंतरराष्ट्रीय विमान सेवा शुरू हो सकती है। चीन के मुताबिक यह एयरपोर्ट नेपाल-चीन बेल्ट ऐंड रोड इनिशिएटिव का हिस्सा है। हालांकि नेपाल इस बात से इनकाकर भी कर रहा है। अब नेपाल चीन से और भी मदद के लिए हाथ फैलाने लगा है। नेपाल चाहता है कि रेलवे प्रोजेक्ट में भी चीन उसकी मदद करे। आपको बताते चलें कि पुष्प कमल दहल प्रचंड सीपीएन-माओइस्ट सेंटर के नेता हैं। चीन की कम्युनिस्ट सरकार के प्रति उनका झुकाव हमेशा से ही रहा है। उनकी सरकार बनते ही वह एक बार फिर चीन के सामने हाथ फैलाने लगे हैं। पुष्प कमल दहल प्रचंड लोकतांत्रिक नेपाल के पहले प्रधानमंत्री माने जाते हैं। वह तीसरी बार नेपाल के प्रधानमंत्री बने हैं। चीन से नजदीकी और भारत की मौजूदा राजनीति से विचारधारा का आंतर इस सरकार में साफ देखने को मिल सकता है।

मार्च 2016 में ही नेपाल और चीन के बीच 215.96 मिलियन डॉलर के समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे। इस मौके पर प्रचंड ने कहा कि लैंडलॉक नेपाल में एयर कनेक्टिविटी बहुत मायने रखती है। पोखरा में देश का तीसरा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा बन गया है। इसके साथ ही पोखरा अब दूसरे देशों के साथ और मजबूती से जुड़ गया है। प्रधानमंत्री प्रचंड ने चीनी सरकार से कहा है कि चीन की सीमा क्रॉस करने वाले रेलवे प्रोजेक्ट को पूरा करने में भी उन्हें चीनी मदद की जरूरत है।

सेना में अब इन हजारों पदों को हटाने की तैयारी, ठेके पर ली जा सकती हैं सेवाएं: रिपोर्ट

नई दिल्ली। भारतीय सेना ने बीते साल अग्निपथ स्कीम लागू की थी, जिसके जरिए 4 साल के लिए अग्निवीरों की भर्ती की जा रही है। इसे लेकर काफी विवाद हुआ था और बिहार, आंध्र प्रदेश, हरियाणा, यूपी समेत देश के कई राज्यों में छात्र सड़कों पर उतर आए थे। इस बीच अब भारतीय सेना में भर्ती प्रक्रिया को लेकर नया प्रस्ताव आ सकता है। इसके तहत ट्रेड्समैन के पदों को आउटसोर्स किया जा सकता है यानी इन पदों के लिए जवान के तौर पर नियमित भर्ती नहीं होगी। इन पदों को आउटसोर्स किया जाएगा और टेंडर निकालकर सेवाएं ली जाएंगी। इससे भारतीय सेना में 80 हजार नियमित पदों की कमी हो जाएगी। रिर्पाट के मुताबिक सेना का सैलरी और पेंशन का बिल लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में उसे सीमित रखने के लिए ऐसे प्रस्ताव पर विचार किया जा रहा है ताकि सेना के आधुनिकीकरण पर खर्च के लिए बड़ी रकम बच सके। सेना के एक अधिकारी के मुताबिक कोरोना काल में दो सालों तक भर्ती नहीं हुई। इसके चलते सेना में 1.20 लाख जवान कम हो गए। इसके अलावा

इसके तहत ट्रेड्समैन के पदों को आउटसोर्स किया जा सकता है यानी इन पदों के लिए जवान के तौर पर नियमित भर्ती नहीं होगी। इन पदों को आउटसोर्स किया जाएगा और टेंडर निकालकर सेवाएं ली जाएंगी। इससे भारतीय सेना में 80 हजार नियमित पदों की कमी हो जाएगी।

बीते साल पहले बैच में 40000 अग्निवीरों की ही भर्ती की गई है। इस तरह से बजट में कटौती के प्रयास किए जा रहे हैं।

ट्रेड्समैन के हैं 80,000 पद, कटौती होने पर घटेगी संख्या

सैन्य सूत्रों के मुताबिक साल 2032 तक सेना में आधे सैनिक अग्निवीर हो जाएंगे। इससे सैनिकों की औसत उम्र 32 से घटकर 24 से 26 साल ही रह जाएगी। सैन्य सूत्रों का कहना है कि इससे दो फायदे होंगे। सैनिकों की औसत उम्र कम होगी और तकनीकी की अच्छी समझ रखने वाले युवा सेना को मिल पाएंगे। एक सैन्य अधिकारी के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है, सेना में कुक, बार्बर, वॉशरमैन और सफाईवाला जैसे पदों पर मैनपावर घटाने का स्कोप है। इनकी संख्या सेना में 80,000 के करीब है।

राष्ट्रीय राइफल्स के पुनर्गठन पर भी चल रहा विचार

खबर के मुताबिक बजट को नियंत्रित करने के लिए राष्ट्रीय राइफल्स के भी पुनर्गठन पर विचार चल रहा है। इसे जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद से निटने के लिए स्थापितच किया गया था। शुरुआती दिनों में यह एक छोटी सी फोर्स थी, लेकिन अब इसकी 63 बटालियन हैं। सूत्रों का कहना है कि जम्मू-कश्मीर में अब आतंकवाद कम हुआ है। ऐसे में इस फोर्स का भी पुनर्गठन हो सकता है। एक अधिकारी ने कहा कि हम इस बात का परीक्षण कर रहे हैं कि क्या राष्ट्रीय राइफल्स में जवानों की संख्या कम की जा सकती है।

मदरसों के बाद उनके शिक्षकों पर भी सख्ती

अब असम में बाहर से आकर पढ़ाने वालों की होगी पुलिस जांच

गुवाहाटी। असम की हिमंत सरमा सरकार अब मदरसों के बाद उनके शिक्षकों पर सख्ती बरतने जा रही है। मुख्यमंत्री हिमंत ने कहा है कि राज्य के मदरसों में पढ़ाने के लिए असम के बाहर से आए सभी शिक्षकों को नजदीकी पुलिस थाने में समय-समय पर पेश होने के लिए कहा जा सकता है। यह कदम पुलिस द्वारा आतंकवादी संगठन अंसारुल बांग्ला टीम के कथित मॉड्यूल पर नकेल कसने के बाद आया है।

मदरसों के लिए एक चेकलिस्ट तैयार-सरमा ने कहा कि मदरसों के लिए एक चेकलिस्ट तैयार की गई है, हालांकि अभी तक हितधारकों के

साथ कोई समझौता नहीं किया गया है, लेकिन चीजें सही दिशा में आगे बढ़ रही हैं। उन्होंने रविवार को कहा कि असम पुलिस मदरसा शिक्षा को तर्कसंगत बनाने के लिए राज्य में मुसलमानों के साथ काम कर रही है।

मदरसों में मिले थे 51 बांग्लादेशी-असम में लगभग 3,000 पंजीकृत और अपंजीकृत मदरसे हैं। इन्हीं मदरसों में पुलिस ने बीते दिनों आतंकी मॉड्यूल का पता लगने पर खोज अभियान चलाया था । इस खोज अभियान में मदरसा के प्रचारकों के बीच 51 बांग्लादेशियों की खोज की गई थी। सरमा ने कहा कि पुलिस बंगाली मुसलमानों के साथ समन्वय कर रही है, जिनका मदरसों में अच्छा माहौल बनाने के लिए शिक्षा के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण है। सरमा ने कहा कि मदरसों में विज्ञान और गणित को भी विषयों के रूप में पढ़ाया जाएगा और शिक्षा के अधिकार का सम्मान किया जाएगा और शिक्षकों का एक डेटाबेस बनाए रखा जाएगा।

सीएम केजरीवाल बोले- हमारी बहन के साथ जो हुआ, वो बेहद शर्मनाक

नई दिल्ली । नव वर्ष की पूर्व संध्या पर बाहरी दिल्ली के सुल्तानपुरी थाना क्षेत्र से एक खौफनाक घटना सामने आई। यहां नशे में धुत युवकों ने एक लड़की को अपनी गाड़ी से कई किलोमीटर तक घसीटा। उसका शव नग्न अवस्था में सड़क पर मिला। दिल्ली के कंझावला में हुई भयावह घटना को लेकर दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने आज सोमवार को अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने ट्वीट कर कहा, कंझावला में हमारी बहन के साथ जो हुआ, वो बेहद शर्मनाक है। मैं

उम्मीद करता हूं कि दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दी जाएगी।

DCW ने दिल्ली पुलिस को जारी किया हाजिरी समन

इस घटना को लेकर दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने दिल्ली पुलिस को हाजिरी समन जारी किया है। साथ ही उन्होंने में राजधानी में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठाए हैं। उन्होंने ट्वीट कर लिखा, दिल्ली की सड़कों पर एक लड़की को नशे में धुत लड़कों ने अपनी गाड़ी से कई किलोमीटर तक घसीटा। उसका शव नग्न अवस्था में सड़क पर मिला। ये बेहद भयानक मामला है। दिल्ली पुलिस को हाजिरी समन जारी कर रहे हैं। क्या सुरक्षा व्यवस्था थी न्यू ईयर के मौके पर?

दिल्ली के बाद नोएडा में भी सड़क पर दरिंदगी, लड़की को गाड़ी से कुचल फेंका

ग्रेटर नोएडा। दिल्ली में एक लड़की को कार से 12 किलोमीटर तक घसीटे जाने की घटना के बाद ग्रेटर नोएडा में भी सनसनीखेज वारदात को अंजाम दिया गया है। ग्रेटर नोएडा ईस्टर्न पेरीफेरल हाईवे पर अज्ञात महिला का शव मिला है। पहचान छिपाने के लिए सिर को टायर से सर कुचला गया है। शव के आसपास कोई वाहन नहीं मिला है। हत्या कर शव को फेंके जाने की आशंका जताई जा रही है। दादरी पुलिस मौके पर पहुंच जांच में जुट गई है। दादरी कोतवाली क्षेत्र में कोट के पुल के पास सोमवार की सुबह एक युवत की शव ईस्टर्न पैरिफेरल एक्सप्रेस वे पर पड़ा मिला है। जिसका सिर किसी वाहन से कुचला गया है। माना जा रहा है कि युवती की कहीं और हत्या करने के बाद शव यहां पर फेंका गया। पुलिस इस मामले में विभिन्न बिन्दुओं पर जांच कर रही है। युवती की शिनाख्त नहीं हो सकी है, पुलिस के अनुसार मृतका की उम्र करीब 30 से 35 वर्ष है। जिसकी शिनाख्त के प्रयास किए जा रहे हैं और शव

को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। नोएडा में यह वारदात ऐसे समय पर हुई है जब यहां से कुछ किलोमीटर दूर ही दिल्ली में एक बेटी को कार से 12 किलोमीटर तक घसीटकर मार डाला गया। शनिवार रात सुल्तानपुरी इलाके में कार ने स्कूटी सवार लड़की को टक्कर मार दी। मुरथल से पार्टी करके लौट रहे पांच लड़कों ने कार नहीं रोकी और 12 किलोमीटर तक लड़की को घसीटते रहे। शव को कंझावला के जौंती गांव में छोड़कर फरार हुए।

राजौरी में अब भीषण बम धमाका, 3 लोग घायल; आज हुई थी 4 हिंदुओं की हत्या

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले के धांगरी गांव में बम धमाका हुआ है। यह धमाका उसी जगह पर हुआ है, जहां पर लोग कल हुई हत्याओं का विरोध कर रहे थे। इस धमाके में तीन लोग घायल हुए हैं। राजौरी के इसी इलाके में कल आतंकी हमला हुआ था, जिसमें हिंदू परिवारों के तीन घरों को टारगेट किया गया था। ताबड़तोड़ फायरिंग में 4 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 7 लोग बुरी तरह से जख्मी हुए थे। इसी घटना के विरोध में लोग विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। आंसुओं के सैलाब में डूबे लोग न्याय की मांग कर रहे थे। कश्मीर में लगातार टारगेट किलिंग का दौर जारी है और नए साल पर भी यह सिलसिला नहीं थमा है। बता दें कि कश्मीर घाटी के अलग-अलग इलाकों में बीते साल से ही हिंदुओं और बाहरी लोगों की लगातार टारगेट किलिंग हो रही है। अनंतनाग, राजौरी, पुंछ और पुलवामा समेत कई ठिकानों

पर हिंदू, सिख समुदाय के लोगों और बाहरी मजदूरों एवं कर्मचारियों को चुन-चुनकर आतंकवादियों ने निशाना बनाया है। इस बीच जम्मू-कश्मीर के पूर्व डिप्टी सीएम कविंद्र गुप्ता ने कहा कि बीते 4 सालों में आतंकवादियों को बुरी तरह से कुचला गया है। सैकड़ों आतंकवादियों को मारा गया है। इसके चलते आतंकवादी संगठन बौखला गए हैं और वे इस तरह टारगेट किलिंग्स को अंजाम दे रहे हैं।

22 साल पहले घर से भाग गया था पति, बसंती देवी ने नहीं हारी हिम्मत; बना दी ये नई मिसाल

रविवार शाम को हुई फायरिंग में 4 लोगों की मौत के बाद जम्मू-कश्मीर में हिंदू समुदाय का गुस्सा फूट गया है। धांगरी में लोग लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं और सरकार के प्रति नाराजगी जाहिर कर रहे हैं। मारे गए लोगों के परिजनों ने आज सुबह ही चारों शवों को सड़क पर रख दिया और न्याय की मांग की। इनमें से कई लोगों ने रोते हुए कहा कि आखिर हमारी सुरक्षा कब होगी? कितने लोगों के मारे जाने के बाद इस पर रोक लगेगी? यही नहीं विरोध कर रहे लोगों का कहना है कि हम सड़क से नहीं हटेंगे।

उत्तर भारत में ठंड से राहत के आसार नहीं, पांच दिनों तक जारी रह सकती है शीत लहर

नई दिल्ली। दिल्ली, उत्तर प्रदेश, पंजाब समेत उत्तर भारत के तमाम राज्यों को ठंड से अभी राहत के आसार नहीं हैं। भारतीय मौसम विभाग के मुताबिक, अभी पांच दिनों तक शीत लहर जारी रह सकती है। हालांकि, नए साल के पहले दिन में धूप निकलने से ज्यादातर जगहों पर मौसम खुशनुमा रहा, लेकिन आज उत्तर भारत के ज्यादातर राज्यों में सुबह से ही घना कोहरा छाया है।

अगले पांच दिनों तक छाया रहेगा घना कोहरा

भारतीय मौसम विभाग के अनुसार, अगले पांच दिनों के दौरान उत्तर-पश्चिम भारत के मैदानी इलाकों में घना से बहुत घना कोहरा और शीत लहर की स्थिति जारी रहने की संभावना है। उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश सहित उत्तर भारत के कई इलाकों में रात और सुबह के समय घना कोहरा छाए रहने की संभावना है। पूर्वोत्तर भारत के कई हिस्सों और उत्तर-पश्चिम भारत के कुछ हिस्सों में सामान्य से अधिक न्यूनतम तापमान रहने की संभावना है।

दिल्ली-NCR में छाया घना कोहरा

बता दें कि राजधानी दिल्ली में रविवार को पिछले दिन के मुकाबले न्यूनतम तापमान 4.7 डिग्री सेल्सियस नीचे आ गया। इस वजह से

नए वर्ष के पहले दिन सुबह ठिठुरन रही, लेकिन दिन में अच्छी धूप निकलने से अधिकतम तापमान सामान्य से एक डिग्री सेल्सियस अधिक पहुंच गया। वहीं, दिल्ली-NCR में आज सुबह से ही ठंड है। दिल्ली में आज न्यूनतम तापमान 6 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 19 डिग्री रह सकता है।

तमिलनाडु में बारिश की संभावना

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बताया कि तमिलनाडु के तटीय जिलों में 3 से 5 जनवरी के बीच हल्की से मध्यम बारिश की भविष्यवाणी की है। तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल क्षेत्रों में आज और कल मौसम के शुष्क रहने की उम्मीद है। मौसम विभाग ने कहा कि पूर्वी हवा की रफ्तार में बदलाव की वजह से 3 जनवरी से 5 जनवरी तक तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल क्षेत्रों के तटीय जिलों में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।

इन राज्यों में कैसा रहेगा मौसम

भारतीय मौसम विभाग के अनुसार, हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, ओडिशा, उप हिमालयी पश्चिम बंगाल, असम और त्रिपुरा के कुछ इलाकों में अगले दो से तीन दिनों तक घना कोहरा छाया रहेगा। राजस्थान के उत्तरी भागों में 1 से 3 जनवरी के दौरान गंभीर शीतलहर की स्थिति बनी रहने की उम्मीद है। इसके अलावा 1 से 4 जनवरी के दौरान हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में अलग-अलग इलाकों में शीत लहर की स्थिति बनी रहेगी। वहीं हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में शीत लहर की स्थिति बनी रहेगी।

मंदी की चपेट में आ सकती है अमेरिका यूरोप और चीन की अर्थव्यवस्थाएं : क्रिस्टालिना जार्जीवा

नई दिल्ली । इंटरनेशनल मॉनिटरी फंड (आईएमएफ) की प्रमुख क्रिस्टालिना जॉर्जीवा ने अमेरिका यूरोप और चीन में मंदी के संकेत दे दिए हैं। उन्होंने कहा कि ग्लोबल ग्रोथ के लिहाज से 2023 का साल मुश्किल रहने वाला है। अमेरिका यूरोप और चीन में आर्थिक गतिविधियां कमजोर नजर आ रही हैं। आईएमएफ की प्रबंध निदेशक क्रिस्टालिना जॉर्जीवा ने सीबीएस संडे मॉर्निंग न्यूज प्रोग्राम फेस द नेशन में कहा- नया साल उस साल की तुलना में कठिन होने जा रहा है जिसे हम पीछे छोड़ आए हैं। क्योंकि तीन-तीन बड़ी अर्थव्यवस्थाएं अमेरिका यूरोपीय संघ और चीन की अर्थव्यवस्थाएं मंदी की तरफ बढ़ रही हैं। अक्टूबर 2022 में आईएमएफ ने 2023 में वैश्विक आर्थिक विकास के आउटलुक में कटौती की थी. रूस-यूक्रेन के बीच युद्ध से जारी खींचतान बढ़ती महंगाई दर का दबाव और अमेरिकी फेडरल रिजर्व बैंक जैसे केंद्रीय बैंकों के ब्याज दरों में इजाफे की वजह से दबाव बढ़ा है।

अपनी हरकतों से बाज नही आ रहा पाक बीएसएफ ने पाक ड्रोन को फिर भगाया

गुरदासपुर। पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नही आ रहा हि। बीएसएफ ने पंजाब के गुरदासपुर क्षेत्र में पाक ड्रोन को फिर भगाया। बीएसएफ ने पाकिस्तान की एक बड़ी साजिश नाकाम कर दी है। वहां के कमालपुर चौकी पर गत रात बीएसएफ के जवानों ने एक पाक ड्रोन देखा और भगा दिया। जैसे ही जवानों ने ड्रोन को देखा उन्होंने फायरिंग की जिसके बाद ड्रोन पाकिस्तान की ओर लौट गया। बीते कुछ सालों में ऐसे कई ही हमलों को बीएसएफ ने नाकाम किया है। ड्रोन के पंजाब में घुसने की कोशिश बीते शनिवार को भी की गई थी उस दौरान भी बीएसएफ ने गोलीबारी कर भगा दिया था। 113 बटालियन के कस्सोवाल के जवानों ने पाकिस्तानी ड्रोन को देखते ही फायरिंग की और यहां तक की रोशनी वाले इलू बम भी दागे जिससे ड्रोन भाग गया।

भारत ने रूस और यूक्रेन से बातचीत के रास्ते पर लौटने का किया आग्रह

नई दिल्ली । विदेश मंत्री एस जयशंकर ने यूक्रेन में जारी संघर्ष पर चिंता जताते हुए कहा कि भारत शांति के पक्ष में है और शुरुआत से ही भारत का प्रयास बातचीत और कूटनीति के रास्ते पर लौटने का रहा है। उन्होंने कहा कि मतभेदों को हिंसा से नहीं सुलझाया जा सकता। दो देशों की अपनी आधिकारिक यात्रा के दूसरे चरण में साइप्रस से यहां पहुंचे जयशंकर ने प्रवासी भारतीयों को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की। जयशंकर ने कहा कि यूक्रेन संघर्ष वास्तव में बहुत गहरी चिंता का विषय है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सितंबर में घोषणा की कि हम वास्तव में मानते हैं कि यह अब युद्ध का युग नहीं है। आप हिंसा के माध्यम से मतभेदों और मुद्दों को नहीं सुलझा सकते हैं। उन्होंने कहा कि शुरू से ही हमारा प्रयास संवाद और कूटनीति पर लौटने का आग्रह करना रहा है। प्रधानमंत्री ने खुद राष्ट्रपति (व्लादिमीर) पुतिन और राष्ट्रपति (वोलोदिमीर) ज़ेलेंस्की के साथ कई मौकों पर बात की है। उन्होंने कहा कि हम जानते हैं कि यह आसानी से हल करने योग्य स्थिति नहीं है लेकिन यह महत्वपूर्ण है कि जो देश वार्ता में विश्वास करते हैं वे इस संबंध में स्पष्ट रूप से बात करें। हम शांति के पक्ष में हैं और दुनिया का एक बड़ा हिस्सा हमारी तरह सोचता है।

ममता बनर्जी ने शुरू किया 'दिदीर सुरक्षा कवच' अभियान, बोलीं- 'राम-वाम' अब एक हो गए हैं

कोलकाता । पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने तृणमूल कांग्रेस का नया अभियान ''दीदीर सुरक्षा कवच'' शुरू किया। पंचायत चुनाव के मद्देनजर तृणमूल कांग्रेस के लिए या काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इस दौरान तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी और प्रदेश अध्यक्ष सुब्रत बख्शी भी मौजूद रहे। अभिषेक बनर्जी ने बताया कि पार्टी 11 जनवरी को सात दिवसीय अभियान शुरू करेगी। वहीं, ममता बनर्जी ने पार्टी कार्यक्रम में कहा 'दीदीर सुरक्षा कवच' कार्यक्रम के तहत तृणमूल कांग्रेस के 3.5 लाख कार्यकर्ता बंगाल के 10 करोड़ लोगों तक पहुंचेंगे। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि पूरे भारत में टीएमसी सरकार के खिलाफ बेबुनियाद अफवाहें फैलाई गईं। भाजपा पर हमला करते हुए पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा की विचारधारा आपको अकेला महसूस कराती है, लोगों में फर्क करती है। इसके साथ ही उन्होंने पार्टी

कार्यकर्ताओं से कहा कि आपको विनम्रता से लोगों की बात सुननी होगी। उन्होंने कहा कि देश में एकता, संघीय ढांचे को मजबूत करना चाहती हूं। बंगाल की राजनीति पर ममता बनर्जी ने कहा ने कहा कि 'राम-वाम' अब एक हो गए हैं। ममता का राम से मतलब भाजपा से था जबकि वाम उन्होंने वामपंथी नेताओं के लिए इस्तेमाल किया। बंगाल की राजनीति पर वामपंथ का बोलबाला रहा है। राज्य सरकार के जनसंपर्क कार्यक्रम दुआरे सरकार (द्वार पर सरकार) की तरह इस नए अभियान का उद्देश्य लोगों को पार्टी से जोड़ना है। ममता बनर्जी ने कहा, 卐लगभग साढ़े तीन लाख पार्टी कार्यकर्ता राज्य के लगभग 10 करोड़ लोगों के बीच पहुंचेंगे। राज्य सरकार का दुआरे सरकार अभियान जारी रहेगा।卐 एक जनवरी को टीएमसी की स्थापना के 25 साल पूरे होने पर बनर्जी ने कहा था कि पार्टी का लक्ष्य 卐एकजुट भारत और एक मजबूत संघीय ढांचा卐 बनाना है।

बॉयफ्रेंड के प्यार में अंधी लड़की ने अपनी ही मां को उतारा मौत के घाट, पहले घोंपा चाकू फिर घोंट दिया गला

ग्वालियर। कहते हैं कि 16-17 की उम्र बेहद ही नाजुक उम्र होती है। इस उम्र में ही सबसे ज्यादा गलतियां होती हैं। गलतियों को अगर सही समय पर नहीं रोका जाता है तो वह आगे चलकर बड़े अपराध को भी जन्म दे देती है। एक ऐसी ही भयानक घटना सामने आयी है जहां एक बार फिर से एक पवित्र माना जाने वाला मां-बेटी का रिश्ता जहर बन गया। मध्य प्रदेश में एक 17 साल की लड़की ने अपने बॉयफ्रेंड के साथ रहने के लिए और उसके प्यार में अंधी होकर लड़की ने अपनी ही मां को दर्दनाक मौत दे दी। लड़की ने पहले अपनी मां को चाकू घोंपा और उसके बाद मां का घला दबा कर उन्हें मौत के घाट उतार दिया। मध्य प्रदेश के ग्वालियर शहर में 17 वर्षीय एक लड़की ने अपने दोस्त के साथ मिलकर कथित तौर पर अपनी मां पर चाकुओं से वार किया और उसके बाद गला दबाकर उनकी हत्या कर दी। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि घटना की जानकारी रविवार को मिली जिसके बाद लड़की को हिरासत में ले लिया गया और उसके 25 वर्षीय मित्र को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के अनुसार युवक को दो माह पहले भी गिरफ्तार किया गया था,जब लड़की उसके साथ घर से फरार हो गई थी। बाद में युवक को जमानत मिल गई थी। महिला (38) भिंड जिले की रहने वाली थी और हजीरा पुलिस थाना क्षेत्र के तहत गदियापुर इलाके में अपनी बेटी के साथ रह रही थी। पुलिस अधीक्षक अमित सांघी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि रविवार को पुलिस को जानकारी मिली कि महिला के घर का दरवाजा नहीं खुल रहा है,जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और वहां उसे महिला का रक्त रंजित शव मिला। उन्होंने बताया कि लड़की घर पर नहीं थी।

पटाखा फैक्टरी में आग लगने की घटना में मरने वालों की संख्या बढ़कर चार हुई

मुंबई। महाराष्ट्र के सोलापुर जिले में एक पटाखा फैक्टरी में आग लगने की घटना में सोमवार को एक और व्यक्ति की मौत होने के बाद मृतकों की संख्या बढ़कर चार हो गई है। मुंबई से लगभग 400 किलोमीटर दूर बरशी तालुका के शिराला गांव में स्थित इकाई में रविवार को विस्फोट होने के बाद आग लग गई थी। पुलिस ने कहा था कि इस घटना के बाद तीन श्रमिकों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। अधिकारी ने कहा कि घायलों में से एक की सोमवार को तड़के इलाज के दौरान मौत हो गई। उन्होंने कहा कि एक कर्मचारी का सोलापुर सिविल अस्पताल में इलाज किया जा रहा है, जबकि एक अन्य घायल व्यक्ति को छुट्टी दे दी गई है।

केंद्र ने मनमाने तरीके से लागू की नोटबंदी इस पर संसद में कराई जानी चाहिए थी चर्चा: जस्टिस नागरत्ना

-सुप्रीम कोर्ट ने 4:1 के बहुमत से केंद्र के नोटबंदी के फैसले को सही ठहराया जस्टिस नागरत्ना ने किया था विरोध

नई दिल्ली (एजेंसी) । मोदी सरकार के बहुचर्चित नोटबंदी के कदम पर सुप्रीम कोर्ट ने ने अपना फैसला सुना दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने 4:1 के बहुमत के साथ केंद्र सरकार के 2016 के नोटबंदी के फैसले को सही ठहराया है। सुप्रीम कोर्ट ने नोटबंदी के फैसले के खिलाफ दायर याचिकाओं को खारिज कर दिया। बहुमत से फैसला भले आ गया है लेकिन जस्टिस बीवी नागरत्ना ने केंद्र के अधिकार के मुद्दे पर अलग मत दिया।

रिज़र्व बैंक कानून की धारा 26(2) के तहत केंद्र के अधिकारों के मुद्दे पर न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना की राय न्यायमूर्ति बीआर गवई से अलग थी। उन्होंने कहा कि संसद को नोटबंदी के मामले में कानून पर चर्चा करनी चाहिए थी यह प्रक्रिया गजट अधिसूचना के जरिए नहीं होनी चाहिए थी। जज ने स्पष्ट कहा कि देश के लिए इतने महत्वपूर्ण मामले में संसद को अलग नहीं रखा जा सकता है।सरकार को भले ही सुप्रीम कोर्ट के फैसले से राहत मिल गई हो पर जस्टिस नागरत्ना की बात उसे चुभ सकती है। विपक्ष इसके जरिए सरकार पर सवाल खड़ा कर सकता है। न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कहा कि 500 और 1000 के नोटों को बंद करने का फैसला गलत और गैरकानूनी था।

न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना ने कहा कि 500 और 1000 रुपए की श्रृंखला के नोट कानून बनाकर ही रद्द किए जा सकते थे अधिसूचना के जरिए नहीं। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि आठ नवंबर 2016 को जारी अधिसूचना वैध और प्रक्रिया के तहत थी। आरबीआई और सरकार के बीच परामर्श में कोई खामी नहीं थी। न्यायमूर्ति बीआर गवई ने नोटबंदी पर कहा कि यह प्रासंगिक नहीं है कि इसके उद्देश्य हासिल हुए या नहीं। इस तरह से नोटबंदी के खिलाफ याचिकाएं खारिज कर दी गईं।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अनुरूपता के आधार पर नोटबंदी को खारिज नहीं किया जा सकता है। 52 दिन का जो समय लिया गया वो गैर-वाजिब नहीं था। न्यायमूर्ति बीआर गवई ने फैसला सुनाते हुए कहा कि केंद्र सरकार के फैसले में खामी नहीं हो सकती क्योंकि रिज़र्व बैंक और सरकार के बीच इस मुद्दे पर पहले

विचार-विमर्श हुआ था। कोर्ट ने कहा है कि आर्थिक नीति से जुड़े मामलों में बड़ा संयम बरतने की जरूरत है।

इससे पहले 2016 में की गई नोटबंदी की कवायद पर फिर से विचार करने के सुप्रीम कोर्ट के प्रयास का विरोध करते हुए सरकार ने कहा था कि अदालत ऐसे मामले का फैसला नहीं कर सकती है जब 'बीते वक्त में लौट कर' कोई ठोस राहत नहीं दी जा सकती है। शीर्ष अदालत ने केंद्र के नोटबंदी के फैसले को चुनौती देने वाली 58 याचिकाओं पर सुनवाई की है।

'हमने जो कहा, वो किया', उद्धव पर हमला करते हुए नड्डा बोले- सत्ता के लालच में शिवसेना ने पीठ में घोंपा छुरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा आज महाराष्ट्र दौरे पर हैं। उनकी इस यात्रा को आगामी चुनाव से जोड़कर देखा जा रहा है। नड्डा ने चंद्रपुर में जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान नड्डा ने मोदी सरकार की उपलब्धियों को गिनाया। नड्डा ने कहा कि जब विश्व मुसीबत के दौर से गुजर रहा है और हर देश खुद को संकट में पा रहा है तब हम विपरीत परिस्थित में भी आगे बढ़ रहे हैं। ये केवल प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व के ही कारण है। उन्होंने आगे कहा कि ब्रिटेन जैसा देश, जिसने हम पर 200 साल तक राज किया...उसको पछाड़ कर हम पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गए हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि अमेरिका और यूरोप में कोरोना का टीकाकरण अभी तक पूरा नहीं हो पाया है, चीन की हालत आप देख ही चुके हैं। लेकिन भारत में 220 करोड़ से अधिक टीके लगा कर... जनता को सुरक्षा कवच देने का काम आदरणीय नरेन्द्र मोदी जी ने किया है।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि हमने 100 देशों को कोरोना वैक्सीन पहुंचाई और 48 देशों को तो मुफ्त उपलब्ध करवाई है। अब भारत विश्व से मांगने वाला देश नहीं बल्कि मोदी जी के नेतृत्व में देने वाला देश बन गया है। उन्होंने कहा कि आज दुनिया में यूं ही नहीं हमारी शान बनी है, मोदी जी की नीतियों के कारण दुनिया का नजरिया बदला है। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि मोदी जी ने लाल

किले से 'स्वच्छ भारत' की बात कही तो कांग्रेस के नेताओं ने मजाक बनाया। क्यों... क्योंकि वो जिन घरानों से आते हैं उनको भारत की पीड़ा का अनुमान ही नहीं था। इस पीड़ा का अनुमान किसी को था तो आदरणीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी को था। इसीलिए हमारे प्रयासों से देश में 12 करोड़ से अधिक शौचालय बने, महिलाओं को सुविधा मिली।

उद्धव ठाकरे पर हमला करते हुए नड्डा ने कहा कि सत्ता के लालच में शिवसेना ने पीठ में छुरा घोंपने का काम किया और उन लोगों के साथ खड़े हो गए जिनके खिलाफ श्री बाला साहेब हमेशा लड़ते रहे। ऐसे लोगों को जनता कभी माफ नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि राज्य में ऐसी सरकार आई जिसके मुखिया ने अपनी विचारधारा से ही समझौता कर लिया। पालघर में साधुओं के साथ जो बर्ताव हुआ... क्या दबाव था जो उद्धव सीबीआई जांच से पीछे हट गए? इसके साथ ही उन्होंने कहा कि मैं आज इस मंच से आंकड़ें गिनवा रहा हूं... कोई कांग्रेसी इस तरह से काम गिनवा सकता है क्या? ये मोदी जी की बनाई कार्यव्यवस्था है जिसमें हम अपना 'रिपोर्ट कार्ड' साथ लेकर चलते हैं। हमने जो कहा है... वो किया है, जो कह देंगे वो कर के देंगे। विकास का दूसरा नाम भारतीय जनता पार्टी है और विकास पुरुष की पहचान नरेन्द्र मोदी के रूप में है।

अभी और गिरेगा पारा जारी रहेगी कड़ाके की सर्दी घने कोहरे से फिलहाल राहत नहीं

कोलकाता (एजेंसी)। उत्तर भारत के लोगों को फिलहाल ठंड से राहत नहीं मिलेगी। भारतीय मौसम विभाग के ताजा पूर्वानुमान में आनेवाले कुछ दिनों में तापमान में और गिरावट आने की संभावना जताई गई है। घने कोहरे का प्रकोप और बढ़ने के साथ ही कुछ क्षेत्रों में शीतलहर चलने का भी पूर्वानुमान है। मौसम विभाग ने देश के पश्चिमोत्तर उत्तरी और पूर्वी हिस्से में कड़ाके की सर्दी पड़ने की संभावना जताई गई है। पिछले कुछ दिनों से पहाड़ी और मैदानी राज्यों में ठंड का प्रकोप बढ़ा है। आईएमडी ने फिलहाल इससे राहत न मिलने की संभावना जताई है।

मौसम विभाग की ओर से जारी ताजा पूर्वानुमान में हल्की हवा चलने और नमी की मात्रा ज्यादा होने की वजह से आनेवाले 2-3 दिनों तक उत्तराखंड पंजाब हरियाणा व उत्तर प्रदेश और आगामी 4 दिनों तक बिहार के कुछ हिस्सों में सुबह और रात के समय में घना से बहुत घना कोहरा छाए रहने की संभावना जताई गई है। इसके अलावा हिमाचल प्रदेश मध्य प्रदेश ओडिशा पश्चिम बंगाल असम और त्रिपुरा में भी 2 से 3 दिनों तक घना कोहरा पड़ने की संभावना जताई गई है।

मौसम पूर्वानुमान में तापमान के और लुढ़कने की संभावना जताई गई है। मौसम विज्ञानियों का कहना है कि हिमालय की ओर से उत्तर-पश्चिम दिशा की ओर हवा चलने की वजह से आगामी 2 दिनों में तापमान में 2 से 4 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट हो सकती है। इससे उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत के प्रभावित होने की संभावना जताई गई है। मौसम में रुख में बदलाव के कारण उत्तरी राजस्थान में 3 जनवरी तक कड़ाके की सर्दी पड़ने और शीतलहर चलने की संभावना है। हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में 4 जनवरी तक ठंड बेहाल करेगी। पंजाब हरियाणा चंडीगढ़ और दिल्ली के लोगों को 5 जनवरी तक कड़ाके की सर्दी का सामना करना पड़ेगा।

उत्तर प्रदेश निकाय चुनाव में ओबीसी आरक्षण पर कल सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी निकाय चुनाव में ओबीसी आरक्षण को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई बुधवार को होगी। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि मामले को जल्द सुना जाना चहिए। मेहता ने कहा डीलिमिटेशन की प्रक्रिया चल रही है। दरअसल इलाहाबाद की लखनऊ खंडपीठ ने यूपी निकाय चुनाव में ओबीसी आरक्षण को समाप्त कर दिया है। वहीं कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि सरकार तय समय पर चुनाव कराए।

इस मामले ने राजनीतिक रंग लिया तो राज्य सरकार ने ट्रिपल टेस्ट के आधार पर आरक्षण देने का फैसला लिया। इसके लिए सरकार ने ओबीसी आयोग का गठन कर दिया। सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल करते हुए का कि स्थानीय निकाय चुनाव में आयोग की रिपोर्ट आने के बाद चुनाव कराया जाएगा। योगी सरकार ने इलाहाबाद की लखनऊ खंडपीठ के फैसले पर तुरंत रोक लगाने की अपील सुप्रीम कोर्ट से की है।

कोर्ट के आदेश के बाद दो दिन बाद ही इस मामले में पिछड़ा वर्ग आयोग का गठन कर दिया।

सरकार ने अपने आदेश में कहा कि संविधान में दिए गए अधिकारों के तहत ओबीसी को आरक्षण का लाभ दिया जाएगा। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा गठित पिछड़ा वर्ग आयोग की पहली बैठक शनिवार को हुई जिसमें प्रदेशव्यापी सर्वेक्षण के संबंध में नीतियों और प्रक्रियाओं पर विमर्श हुआ और उम्मीद जताई गई कि जनप्रतिनिधि उचित जानकारी मुहैया कराएंगे। आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) राम अवतार सिंह ने कहा कि आयोग डेटा संग्रह के लिए प्रत्येक जिले में जाएगा और जिलाधिकारियों से संपर्क करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि आयोग को उम्मीद है कि उसका काम छह महीने में पूरा हो जाएगा। अध्यक्ष ने कहा कि आयोग अन्य राज्यों जैसे बिहार मध्य प्रदेश महाराष्ट्र और कर्नाटक में किए गए कार्यों को देखेगा और जानेगा कि वहां क्या प्रक्रिया अपनाई गई है। बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) सिंह ने बताया कि निकाय चुनाव विषयक अन्य पिछड़ा वर्ग के आरक्षण के संबंध में सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालय के दिशा-निर्देशों का पालन किया जाएगा।

उन्होंने बताया आयोग ने अब विधिवत कामकाज शुरू कर दिया है बैठक हर दिन होगी। उनका कहना था कि यह बिल्कुल नया कार्य है ऐसे में सभी बिंदुओं पर गहन विचार-विमर्श के बाद ही कार्यवाही की जाएगी। इस आयोग के अन्य चार सदस्य सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी चोब सिंह वर्मा और महेंद्र कुमार पूर्व अपर विधि परामर्शी संतोष कुमार विश्वकर्मा और बृजेश कुमार सोनी हैं। आयोग के सदस्यों की नियुक्ति राज्यपाल से मंजूरी के बाद की गई है। नगर विकास विभाग द्वारा जारी एक अधिसूचना के मुताबिक इस आयोग का कार्यकाल अध्यक्ष और सदस्यों के पदभार ग्रहण करने के दिन से छह महीने के लिए होगा।

विधानसभा चुनाव के पहले भाजपा से अलग होकर नई पार्टी बनाएंगे जनार्दन रेड्डी

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में विधानसभा चुनाव से ठीक पहले जनार्दन रेड्डी ने अपना नया राजनीतिक दल कल्याण राज्य प्रगति पार्टी बनाने का ऐलान कर दिया। ऐसा पहले बार नहीं है कि वह पार्टी से अलग हुए। पुलिसकर्मी के बेटे से लेकर खनन कारोबार की दुनिया का बड़ा और विवादित खिलाड़ी बनने का उनका सफर किसी फिल्मी कहानी जैसा रोचक है। दक्षिण का एंट्री गेट माने जाने वाले कर्नाटक में पहली बार भाजपा की सरकार बनवाने में इनका अहम योगदान माना गया था। जनार्दन रेड्डी के पिता मूल रूप से आंध्र प्रदेश के थे लेकिन बतौर पुलिसकर्मी इनका ट्रांसफर कर्नाटक के बेल्लारी में हो गया था। जनार्दन रेड्डी का जन्म बेल्लारी में ही हुआ और यहीं से उन्होंने पढ़ाई भी की। पढ़ाई पूरी करने के बाद बीमा कंपनी में नौकरी शुरू की। यहीं से उनका ग्राफ ऊपर चढ़ने लगा। बीमा निपटाने के क्रम में उनका कई प्रभावशाली लोगों से संपर्क हुआ।

शुरू से महत्वाकांक्षी रहे रेड्डी ने इन प्रभावशाली लोगों की मदद से चिटफंड कंपनी शुरू की। कंपनी खोलने के दौरान उनका कुछ खनन मालिकों से परिचय हुआ। वहां से इस क्षेत्र में इनकी एंट्री हुई और

फिर उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। कुछ ही सालों बाद बेल्लारी के सबसे अमीर परिवार में इनकी गिनती होने लगी।

इन्होंने बीच में अपना अखबार भी लॉन्च किया। जनार्दन रेड्डी तीन भाई हैं और इनके परिवार को राज्य में रेड्डी ब्रदर्स के नाम से जाना जाता है। इनके सबसे बड़े भाई करुणाकर रेड्डी और सबसे छोटे सोमशेखर रेड्डी हैं। जनार्दन रेड्डी के दोनों भाई भाजपा से विधायक हैं। खनन उद्योग में इनकी पहुंच इतनी बढ़ी कि वह सियासत में भी दखल देने लगे और जल्द ही राज्य के ताकतवर लोगों में शामिल हो गए। लेकिन राजनीति में इनके लिए सबसे अहम समय तब आया जब 1999 में सोनिया गांधी बेल्लारी लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने आईं। भाजपा ने उनके खिलाफ सुषमा स्वराज को उतारा। यहीं सुषमा स्वराज रेड्डी ब्रदर्स के संपर्क में आईं और भाजपा में रेड्डी का कद बढ़ता चला गया।

2008 में जब भाजपा पहली बार अकेले दम पर राज्य में सरकार बनाने के करीब पहुंची तो बहुमत का आंकड़ा रेड्डी ब्रदर्स की बदौलत ही पूरा हुआ। उन्होंने जरूरी संख्या को पूरा करने में बड़ी भूमिका निभाई। पुरस्कार स्वरूप जनार्दन रेड्डी और उनके दो भाई मंत्री बने। तब तक वे येदियुरप्पा के बेहद करीब आ गए थे। हालांकि सरकार में आने के बाद भी उनका विवादों से नाता नहीं छूटा। लोकायुक्त संतोष हेगड़े की जांच के बाद अवैध खनन के मामले में जनार्दन रेड्डी गिरफ्तार हुए और येदियुरप्पा सरकार का पतन हुआ। दोनों नेताओं को लगा कि केंद्रीय नेतृत्व का उचित सहयोग नहीं मिला और दोनों ने पार्टी छोड़ दी। 2013 में इसका खामियाजा भाजपा को भुगतना पड़ा और पार्टी चुनाव हार गई। हालांकि बाद में दोनों दोबारा भाजपा में आ गए। 2016 में जनार्दन रेड्डी की बेटी की शादी भी तब चर्चा में आई थी जब कहा गया कि इसमें 500 करोड़ से अधिक खर्च किए गए।

पंचायत चुनाव में पूरी ताकत झोंकेगी भाजपा, 2 रैलियों में शिरकत करेंगे अमित शाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में पंचायत चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मियां लगातार तेज होती जा रही है। पंचायत चुनाव को लेकर तृणमूल कांग्रेस अपनी तैयारियों में जुट चुकी है। वहीं, भाजपा भी पीछे रहने को तैयार नहीं है। पंचायत चुनाव के लिए भाजपा ने भी अपनी कमर पूरी तरीके से कस ली है। सूत्रों का दावा है कि भाजपा पंचायत चुनाव को किसी भी कीमत पर कमजोर नहीं रहना चाहती हैं। भाजपा अपनी पूरी ताकत इस चुनाव में दिखाने की कोशिश करेगी। खबर के मुताबिक अमित शाह पंचायत चुनाव से पहले पश्चिम बंगाल में दो विशाल रैलियों को संबोधित कर सकते हैं। सूत्रों का दावा है कि इसके लिए अमित शाह एकदिवसीय पश्चिम बंगाल के दौरे पर जा रहे हैं। अमित शाह का यह दौरा 2 महीनों में यह दूसरी बार होने जा रहा है।

खबर के मुताबिक अमित शाह 17 जनवरी की सुबह या उससे एक रात पहले कोलकाता पहुंच सकते हैं। 17 जनवरी को ही वह दो रैलियों को संबोधित करेंगे। अमित शाह की पहली रैली हुगली जिले के आरामबाग में होगी जबकि दूसरी रैली 24 परगना की मथुरापुर में होगी। इस पंचायत चुनाव के जरिए भाजपा 2024 के लोकसभा चुनाव की तैयारियों को परखना चाहती है। 2024 के चुनाव में भाजपा हर हाल में पश्चिम बंगाल में 2019 में जीती गई सीटों को अपने पास रखना चाहती है। इससे पहले 17 दिसंबर को अमित शाह कोलकाता पहुंचे थे जहां उन्होंने पूर्व क्षेत्रीय परिषद की बैठक में हिस्सा लिया था। राज्य भाजपा की ओर से साफ तौर पर कह दिया गया है कि अमित शाह का यह दौरा पूरी तरीके से राजनीतिक है। अपने इस दौरे के दौरान वह संगठनात्मक रूप से पार्टी के नेताओं के साथ चर्चा भी करेंगे।

आज दोपहर के बाद गाजियाबाद के रास्ते यूपी में प्रवेश करेगी भारत जोड़ो यात्रा

लखनऊ (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की उत्तर प्रदेश में भारत जोड़ो यात्रा की जोर-शोर से तैयारी चल रही है। यात्रा 3 जनवरी को राज्य में प्रवेश करेगी और 5 जनवरी को हरियाणा में प्रवेश करने से पहले राज्य में 120 किलोमीटर की दूरी तय करेगी। यात्रा 3 जनवरी को दिल्ली के कश्मीरी गेट स्थित हनुमान मंदिर से शुरू होगी और दोपहर के आसपास गाजियाबाद में प्रवेश करेगी। यह बागपत के मविकला गांव में रात्रि विश्राम करेगी।

पार्टी नेताओं ने कहा यात्रा 4 जनवरी को शामली जिले से गुजरेगी और 5 जनवरी की शाम पानीपत के सनौली से होते हुए हरियाणा में प्रवेश करेगी। पार्टी की बागपत जिला इकाई के अध्यक्ष यूनुस चौधरी ने कहा कि यात्रियों का डूंडाहेड़ा चेकपोस्ट पर स्वागत किया जाएगा और यात्र 3 जनवरी को मविकला गांव में रात के लिए रुकेगी। उन्होंने कहा कि लगभग 2000-2500 लोगों के ठहरने की व्यवस्था की जा रही है। पूर्व सांसद एवं यात्रा की प्रशासन समन्वय समिति के सदस्य पीएल पुनिया ने कहा यात्रा के दौरान कांग्रेस सदस्यों में देखा गया उत्साह उल्लेखनीय था। यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया गया है कि राज्य के सभी 75 जिलों के पार्टी कार्यकर्ता यात्रा के लिए आएं। उन्होंने कहा जिन लोगों को आने के लिए कहा गया है वे सभी संगठन के हैं क्योंकि उद्देश्य सिर्फ भीड़ इकट्ठा करना नहीं है। ब्लॉक अध्यक्षों से सूची मांगी गई है और उनकी तस्वीरों के साथ पास बनाए जा रहे हैं। उनके लिए विशेष व्यवस्था की जा रही है।

अखिलेश यादव मायावती और जयंत चौधरी जैसे प्रमुख गैर-कांग्रेसी नेताओं द्वारा यात्रा में शामिल होने में कोई रुचि न दिखाने की खबरों के बीच पुनिया ने कहा कि यह एक गैर-राजनीतिक कार्यक्रम है इसमें देश में व्याप्त नफरत को समाप्त करने और इसे एकजुट करने का स्पष्ट संदेश है।

राज्य कांग्रेस के प्रवक्ता अशोक सिंह ने हाल ही में कहा था कि पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा यात्रा के उत्तर प्रदेश चरण में मौजूद रहेंगी। पार्टी की राज्य इकाई की प्रवक्ता व यात्रा के दौरान मीडिया प्रबंधन की प्रभारी अंशु अवस्थी ने कहा राजनीतिक लाभ या हानि को ध्यान में रखते हुए यात्रा मार्ग तय नहीं किया गया है। हालांकि पार्टी के नेताओं का मानना है कि इस आयोजन ने कांग्रेस को गांव स्तर तक चर्चा में ला दिया है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री और उत्तर प्रदेश में यात्रा समन्वयक सलमान खुर्शीद प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बृजलाल खबरी और अन्य ने यात्रा के लिए समर्थन जुटाने के लिए कई जिलों के गांवों का दौरा किया। यात्रा का विभिन्न स्थानों पर स्वागत किया जाएगा और रास्ते में कई प्रतिनिधिमंडल भी उनसे मिलेंगे। गांधी नुक्कड़ सभा को भी संबोधित करेंगे। बागपत में यात्रा के दौरान राहुल गांधी और अन्य जिले के एक शिव मंदिर में दोपहर का भोजन करेंगे। बागपत जिला कांग्रेस प्रमुख ने कहा कि रात में यात्रा में

शामिल होने वालों के लिए टेंट लगाया जाएगा।

अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की पदाधिकारी संगीता गर्ग यात्रा की तैयारियों की निगरानी के लिए लोनी में डेरा डाले हुए हैं। कांग्रेस के गाजियाबाद जिलाध्यक्ष बिजेंद्र यादव ने कहा कि चार दिनों में यात्रा के लिए समर्थन जुटाने के लिए कांग्रेस की ओर से 400 से ज्यादा नुक्कड़ सभाएं की गईं महत्वपूर्ण चौराहों पर पोस्टर बैनर और होर्डिंग लगाए गए हैं। अमेठी के कांग्रेस महासचिव और पार्टी प्रवक्ता अनिल सिंह ने कहा कि लोनी बॉर्डर पर यात्रा में शामिल होने के लिए जिले के 400 से अधिक लोग एक दर्जन बसों में आएंगे।

अमेरिका में नौकरी छोड़कर भाग रहे हैं स्वास्थ्य कर्मी

– कम वेतन और तनाव ज्यादा

न्यूयॉर्क । अमेरिका में पिछले 6 माह से मंदी और महंगाई के कारण तथा वेतन कम होने काम का अधिक बोझ होने से स्वास्थ्य कर्मी नौकरी छोड़कर भाग रहे हैं। जिसके कारण अमेरिका की स्वास्थ्य व्यवस्था गड़बड़ा रही हैं। फेवीकोल के सर्वे के अनुसार 79 फ़ीसदी स्वास्थ्य कर्मी इन दिनों तनाव से गुजर रहे हैं। स्वास्थ्य कर्मियों के परिवारों में तनाव बढ़ रहा है। नौकरी के बढ़ते दबाव के कारण 64 फ़ीसदी स्वास्थ्य कर्मी नींद की समस्या से जूझ रहे हैं। वहीं 59 फ़ीसदी स्वास्थ्य कर्मियों पर मानसिक असर पड़ा है। काम के बोझ से 53 फ़ीसदी स्वास्थ्य कर्मियों का स्वास्थ्य पर विपरीत असर पड़ा है। नौकरी के कारण आपसी रिश्ते बिगड़ रहे हैं। 65 फ़ीसदी स्वास्थ्य कर्मियों ने कहा है कि घर चलाने के लिए सारी राशि खर्च हो जाती है। बचत नहीं हो पा रही है। 50 फ़ीसदी स्वास्थ्य कर्मी सब्जी किराए गैस के पैसे चुकाने की चिंता में लगे रहते हैं। 48 फ़ीसदी स्वास्थ्य कर्मियों को कर्ज लेकर खर्च चलाना पड़ रहा है। ब्रिटेन के नेशनल हेल्थ सिस्टम में एक तिहाई जूनियर डॉक्टर नौकरी छोड़कर जाना चाहते हैं। 10 में से 4 डॉक्टरों ने नौकरी छोड़ कर अन्य कोई नौकरी करने की बात करने लगे हैं। डॉक्टरों को वेतन कम मिल रहा है। उनके काम के घंटे ज्यादा हैं। जिसके कारण वह अपना घर खर्च नहीं चला पा रहे हैं।

वेस्ट बैंक फलस्तीनी में इजरायली सेना के हाथों दो फलस्तीनियों की मौत

रमल्ला। इजरायली सेना ने संघर्ष के दौरान एक फलस्तीनी उग्रवादी और एक नागरिक को मार डाला। यह घटना कब्जे वाले वेस्ट बैंक में एक फलस्तीनी शहर में इजरायली सैनिकों के प्रवेश करने के दौरान हुई। फलस्तीनियों ने यह जानकारी दी। जेनिन में इब्न सिना अस्पताल के निदेशक समीर अत्तियाह ने बताया कि 21 वर्षीय समीर हौशियेह को सीने में कई गोलियां मारी गईं और नागरिक फौद अबेद भी मारा गया। अस्पताल के अधिकारी ने कहा कि अबेद 17 साल का था, लेकिन फलस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय ने बाद में एक बयान में कहा कि अबेद 25 साल का था। राष्ट्रपति महमूद अब्बास की फतह पार्टी से संबद्ध 'अल-अक्सा ब्रिगेड्स' ने एक बयान में कहा कि हौशियेह एक सदस्य था। ब्रिगेड ने पहले की एक तस्वीर प्रकाशित की जिसमें हौशियेह को राइफल के साथ देखा जा सकता है।

ब्रिटिश प्रधानमंत्री ने कहा 2023 मुश्किल भरा साल

लंदन । ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने नागरिकों के लिए एक संदेश जारी किया है। इसमें सुनक ने नागरिकों को चेतावनी दी है कि 2023 में मुसीबतें खत्म नहीं होंगी। बल्कि यह मुसीबतें बढ़ाने वाला साल होगा। सुनक ने कहा कि ब्रिटेन के लोगों की बेहतरी के लिए वह बिना रुके काम करेंगे। इसके बाद भी मैं यह दावा नहीं कर सकता हूं कि सारी समस्याएं नए साल में खत्म होंगी। उन्होंने कहा पुराने दिनों की अपेक्षा मुसीबत और बढ़ सकती है।

फिलीपींस में बाढ़ से 51 लोगों की मौत, एक दर्जन से अधिक लापता

मनीला। फिलीपींस के कुछ हिस्सों में क्रिसमस सप्ताहांत के दौरान भारी बाढ़ से मरने वालों की संख्या बढ़कर 51 हो गई है, जबकि 19 अन्य अभी भी लापता है। राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया एजेंसी ने सोमवार को यह जानकारी दी। बाढ़ से काफी लोगों को अपने घर भी छोड़ने पड़े। सोशल मीडिया पर तस्वीरों में उत्तरी मिंडानाओ के मिसामिस ऑक्सिडेंटल प्रांत के निवासियों को अपने घरों के फर्श से मोटी मिट्टी साफ करते हुए दिखाया गया है। काबोल-अनान के समुद्र तटीय गांव में, नारियल के पेड़ उखड़ गए और झोपड़ियां पूरी तरह नष्ट हो गईं। राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण और प्रबंधन परिषद के अनुसार, दक्षिण में उत्तरी मिंडानाओ क्षेत्र में आपदा में 25 लोगों की मौत हुई। अधिकांश मौतें डूबने और भूस्खलन से हुईं, और लापता लोगों में मछुआरे थे जिनकी नावें लहरों में फंस गई थीं।

नववर्ष में अफगानिस्तान के काबुल में बिस्फोट में 10 लोगों की हुई मौत आईएस पर जताया शक

काबुल । नववर्ष में अफगानिस्तान राजधानी काबुल में बिस्फोट में 10 लोगों की मौत हो गई। आईएस पर शक जताया जा रहा है। तालिबान के गृहमंत्री अब्दुल नईफ ताकर की मानें तो एयरपोर्ट के मेन गेट पर हुए इस ब्लास्ट में करीब आठ लोग घायल हुए हैं। अब तक किसी ने भी हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है लेकिन माना जा रहा है कि हमले के पीछे इस्लामिक स्टेट का हाथ हो सकता है। अधिक जानकारी दिए बिना ताकर ने कहा कि घटना की जांच शुरू कर दी गई है। इस्लामिक स्टेट समूह ने 2021 में तालिबान के सत्ता पर काबिज होने के बाद से हमले बढ़ा दिए हैं। सैन्य हवाई अड्डा नागरिक हवाई अड्डे से लगभग 200 मीटर की दूरी पर है जबकि यह गृह मंत्रालय के भी नजदीक है। गृह मंत्रालय के प्रवक्ता अब्दुल नफी ताकर ने कहा कि विस्फोट में कई लोग मारे गए और घायल हुए हैं। हालांकि उन्होंने हताहतों के बारे में कोई सटीक आंकड़ा या अधिक जानकारी साझा नहीं की। उन्होंने कहा कि जांच के बाद अधिक जानकारी साझा की जाएगी। इस्लामिक स्टेट ने अब तालिबान के गश्ती दल और अफगानिस्तान के शिया समुदाय पर हमले तेज कर दिए हैं। तालिबान के गृह मंत्रालय के हवाले से खामा प्रेस ने बताया है कि हमला बहुत जोरदार था। तीन दिन पहले ही एक गंभीर ब्लास्ट हुआ था जिसमें चार लोग घायल हो गए थे। वह ब्लास्ट तालुकान शहर में हुआ था। तालुकान शहर तखार प्रांत की राजधानी है। अफगानिस्तान में तालिबान राज आने के बाद पिछले कुछ समय में हमले काफी बढ़ गए हैं। अफगानिस-?तान में कई धमाके हुए हैं और पाकिस्तानी राजदूत को तो जान से मारने की कोशिश की गई थी। सोमवार को एक विस्फोट में उत्तरी बदख्शान प्रांत में एक विस्फोट हुआ था जिसमें पुलिस प्रमुख की मौत हो गई थी और दो अन्य घायल हो गए थे।

पाकिस्तान में 1667 पदों के लिए 32 हजार अभ्यर्थी पहुंचे जमीन पर बिठाकर लेनी पड़ी परीक्षा

इस्लामाबाद । पाकिस्तान में इन दिनों महंगाई के साथ-साथ बेरोजगारी भी बड़ी समस्या बनी हुई है। पाकिस्तान इन दिनों भारी आर्थिक तंगी में है। इस बीच इस्लामाबाद में आयोजित पुलिस भर्ती में 1667 पदों के लिए भर्ती निकली जबकि इसमें भाग लेने के लिए 32 हजार से ज्यादा युवाओं ने भाग लिया। हालत यह थी कि स्टेडियम में युवाओं को जमीन पर बिठाकर लिखित परीक्षा लेनी पड़ी। सिपाही भर्ती परीक्षा शनिवार को इस्लामाबाद के स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित की गई थी। इसमें हजारों युवा पेपर देने आए। इस्लामाबाद पुलिस के मुताबिक युवतियां भी बड़ी संख्या में पेपर देने पहुंची थीं। पाकिस्तान सरकार ने सिपाहियों के 1667 पदों पर भर्ती की वैकेंसी निकाली थी। 1667 पदों पर पूरे पाकिसातन से 32 हजार से ज्यादा युवक-युवतियों ने आवेदन किया था। पिछले पांच सालों से यह पद खाली पड़े थे। पाकिस्तान में बेरोजगारी का आलम क्या है इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सता है कि एक पद के लिए करीब 20 ने आवेदन किया। पाकिस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ डेवलपमेंट इकानॉमिक्स (पीआईडीई) के वर्ष 2022 के आंकड़ों के अनुसार देश के 31 फीसदी से ज्यादा युवा बेरोजगार हैं। इनमें 51 फीसदी महिलाएं हैं जबकि 16 फीसदी पुरुष।

ट्रंप का चीन कनेक्शन आया सामने, टैक्स डिटेल्स से हुए चौंकाने वाले खुलासे

वाशिंगटन। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मुश्किलें बढ़ती ही जा रही है। हालिया हुए खुलासे बेहद ही चौंकाने वाले हैं। पूर्व राष्ट्रपति का चीन में भी बैंक खाता खुला था। इसके अलावा ट्रंप के फेडरल टैक्स रिटर्न पर भी कई खुलासे हुए हैं। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट से मंजूरी मिलने के बाद इस रिपोर्ट को सार्वजनिक की गई है। इससे पता चला कि ट्रंप ने राष्ट्रपति रहते हुए पहले और आखिरी साल में सबसे कम टैक्स भरा है।

वेस्टबैंक में इंजरायली सेना ने फिलिस्तीनी हमलावर अहमद आबेद का घर ढ़हा दिया।

लूला डा सिल्वा ने तीसरी बार ली राष्ट्रपति पद की शपथ

ब्रासीलिया। ला डा सिल्वा ने रविवार को ब्राजील के राष्ट्रपति पद की शपथ ली। लूला डा सिल्वा ने पद संभालने के बाद अपने पहले संबोधन में देश को फिर से पटरी पर लाने पर जोर दिया और अपने पूर्ववर्ती जायर बोल्सोनारो के प्रशासन के सदस्यों को उनके कृत्यों के लिए जवाबदेह ठहराने का संकल्प किया। लूला डा सिल्वा ने बोल्सोनारो के फिर से सत्ता में आने के सपने को तोड़ते हुए तीसरी बार राष्ट्रपति का कार्यभार संभाला है। कांग्रेस के निचले सदन में लूला डा सिल्वा ने कहा, 'ब्राजील के लिए हमारा संदेश आशा व पुनर्निर्माण का है। अधिकारों, संप्रभुता और विकास की इस महान इमारत को हाल के वर्षों में काफी नुकसान पहुंचाया गया। इसे फिर से खड़ा करने के लिए हम हर संभव प्रयास करेंगे।'' लूला डा सिल्वा के हजारों समर्थक उनकी 'वर्कर्स पार्टी' को प्रतिबिंबित करने वाले लाल रंग के कपड़े पहने रविवार को शपथ ग्रहण के बाद खुशी से झूमते दिखे। लूला ने कहा कि वह सभी सांसदों और न्यायिक अधिकारियों को पूर्व प्रशासन के बारे में एक रिपोर्ट भेजेंगे। बोल्सोनारो के ''आपराधिक फरमानों'' को रद्द करेंगे और कोविड-19 वैश्विक महामारी के खिलाफ लचर रणनीतिक को लेकर भी उनकी जवाबदेही तय करेंगे। उन्होंने कहा, '' हम उन लोगों के खिलाफ बदले की भावना नहीं रखते हैं जिन्होंने देश को अपने व्यक्तिगत व वैचारिक मंसूबों के अधीन लाने की कोशिश की, लेकिन हम कानून का शासन सुनिश्चित करने जा रहे हैं।'' गौरतलब है कि लूला ने 30 अक्टूबर को हुए चुनाव में बोल्सोनारो को मात दी थी, जिसके बाद उनके कई समर्थक देशभर में सड़कों पर उतर आए थे और चुनाव परिणाम स्वीकार करने से इनकार कर दिया था।

चीन ने कहा रूस के साथ संबंधों पर हमें ज्ञान न दे अमेरिका

-अमेरिका ने इसे लेकर चीन को अंजाम भुगतने की भी धमकी दी

बीजिंग (एजेंसी)। चीन ने रूस के साथ संबंधों पर सख्त लहजे में कहा है कि अमेरिका हमें यह ज्ञान न दे कि रूस के साथ संबंधों को कैसे रखना है। चीनी विदेश मंत्रालय ने कहा कि अमेरिका के गठबंधन नीतियों की तुलना में चीन-रूस संबंध किसी भी तीसरे पक्ष के खिलाफ नहीं हैं। हमारे संबंध गैर-गठबंधन गैर-टकराव और गैर-लक्ष्यीकरण पर आधारित हैं। यह दोनों पक्षों के हितों के अनुरूप है और वैश्विक चुनौतियों को दूर करने में सहायता करने वाला है। चीन ने अमेरिका पर अपने दुश्मनों को लक्ष्य बनाने वाले गठबंधन के निर्माण का आरोप भी लगाया। अमेरिका ने चीन को चेतावनी दी है कि वह अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों को कमजोर करने में रूस की सहायता न करे। अमेरिका ने इसे लेकर चीन को अंजाम भुगतने की भी धमकी दी है। चीन ने रूस के साथ ऊर्जा के क्षेत्र में कई समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। कुछ समझौते तो यूक्रेन पर हमले के चंद दिनों पहले ही साइन किए गए थे। इसमें चीन और रूस के बीच तेल पाइपलाइन की स्थापना के साथ रियायती दरों पर लंबे समय तक तेल और गैस की आपूर्ति भी शामिल है। इसके अलावा अनाजों के निर्यात को लेकर भी दोनों देशों में डील हुई है। चीन ने कहा कि बीजिंग और मास्को के बीच ठोस संबंध दुनिया को बहुध्रुवीयता की ओर बढ़ने में मदद कर सकते हैं और अंतरराष्ट्रीय समुदाय को एकपक्षवाद में जाने से रोक सकते हैं। अमेरिका को चिंता है कि चीन और रूस के बीच गहराते सहयोग से उसके वैश्विक नेतृत्व और आधिपत्य पर असर पड़ेगा। यह सहयोग दोनों देशों के खिलाफ उसके प्रभाव को प्रभावित करेगा।

रूस के साथ घनिष्ठ संबंधों में निवेश कर रहा चीन

चाइनीज एकेडमी ऑफ सोशल साइंसेज में रूसी पूर्वी यूरोपीय और मध्य एशियाई अध्ययन संस्थान के एक एसोसिएट रिसर्च फेलो यांग जिन ने कहा कि अमेरिका को चिंता है कि चीन और रूस अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के क्षेत्र में सहयोग बढ़ा रहे हैं। इससे अमेरिका और पश्चिमी देशों के रूस पर लगाए गए प्रतिबधों के प्रभाव को कम करने में मदद मिल रही है। अमेरिकी विदेश विभाग के एक प्रवक्ता ने शुक्रवार को कहा कि जो लोग इस अन्यायपूर्ण युद्ध में मास्को के साथ हैं वे अनिवार्य रूप से खुद को इतिहास के गलत पक्ष में पाएंगे। प्रवक्ता ने कहा कि बीजिंग तटस्थ होने का दावा करता है लेकिन उसका व्यवहार स्पष्ट करता है कि वह अभी भी रूस के साथ घनिष्ठ संबंधों में निवेश कर रहा है। यह बयान रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीनी समकक्ष शी जिनपिंग के बीच एक वर्चुअल बैठक के बाद आया जिसके दौरान दोनों ने विशेष रूप से द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों की प्रशंसा की थी।

पोप एमेरिटस बेनेडिक्ट 16वें का पार्थिव शरीर आम लोगों के दर्शन के लिए रखा गया

वेटिकन सिटी। । पोप एमेरिटस बेनेडिक्ट सोलहवें का पार्थिव शरीर आम लोगों के दर्शन के लिये रखा गया है और सोमवार को भोर से पहले ही हजारों लोग उनके अंतिम दर्शन के लिये कतारबद्ध नजर आए। सेंट पीटर्स बेसिलिका के दरवाजे जनता के लिए स्थानीय समयानुसार सुबह 9 बजे खुले और पहले श्रद्धालु ने उनके पार्थिव शरीर के अंतिम दर्शन के लिये अंदर प्रवेश किया। सेंट पीटर्स बेसिलिका में सोमवार को सार्वजनिक दर्शन की अवधि 10 घंटे की है। बृहस्पतिवार को सुबह अंतिम संस्कार किए जाने से पहले मंगलवार और बुधवार को 12-12 घंटों के लिये बेनेडिक्ट 16वें के पार्थिव शरीर को आम लोगों के दर्शन के लिये रखा जाएगा।

अंतिम संस्कार से जुड़े कार्यक्रम का नेतृत्व सेंट पीटर स्क्वायर में पोप फ्रांसिस करेंगे। बेनेडिक्ट का शनिवार को सुबह वेटिकन मठ में निधन हो गया, जहां वह 2013 में अपनी सेवानिवृत्ति के बाद से रह रहे थे। वह 95 वर्ष के थे। सुरक्षा अधिकारियों को उम्मीद है कि सार्वजनिक दर्शन के पहले दिन कम से कम 25 हजार लोग बेनेडिक्ट के पार्थिव शरीर के अंतिम दर्शन करेंगे।

कंगाल पाकिस्तान पर क्या राज करेगा तहरीक-ए-तालिबान जानकार जता रहे ये चिंता

इस्लामाबाद (एजेंसी)। तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान जिस पाकिस्तानी तालिबान भी कहते हैं ने कुछ नई नियुक्तियों की घोषणा की है। इन नियुक्तियों को मंत्रालयों में बांटा गया है जैसे रक्षा न्याय सूचना राजनीतिक मामले आर्थिक मामले शिक्षा फतवा जारी करने वाली अथॉरिटी निर्माण और खुफिया विभाग। कुख्यात आतंकवादी संगठन की ये नियुक्तियां सुनने में बिल्कुल किसी नई सरकार के गठन जैसा है। जानकार लोग इस तालिबान के अफगानिस्तान कब्जे से जोड़कर देख रहे हैं।

टीटीपी के बनाए रक्षा मंत्रालय का नेतृत्व मुफ्ती मुजाहिम के हाथ में है। मुफ्ती मुजाहिम अमेरिकी विदेश मंत्रालय की आतंकवादियों की लिस्ट में शामिल है। यह मंत्रालय दो जोन में बंटा हुआ है नॉर्थ और साउथ। इसमें पेशावर मलकंद मर्दन डेरा इस्माइल खान बन्नू कोहाट और झोब जैसे इलाके शामिल हैं। एक स्पेशल इस्तिशादी फोर्स भी इस मंत्रालय का हिस्सा है जिसमें सुसाइड बॉम्बर्स का एक पूरा बेड़ा शामिल है।

टीटीपी के खुफिया निदेशालय का प्रमुख नूर वली महमूद है। दारुल कजा में 20 और दारुल इफ्ता में 14 सदस्य हैं। द खोरासन डायरी के को-फाउंडर निजामुद्दीन खान टीटीपी की इन नियुक्तियों को अफगान तालिबान से जोड़कर देख रहे हैं। उन्होंने लिखा जैसे अल कायदा ने अल शबाब के सोमालिया पर कब्जे करने की क्षमता की घोषणा की थी जिस तरह अफगान तालिबान ने अफगानिस्तान पर कब्जा किया था ठीक उसी तरह टीटीपी ने भी पाकिस्तान में खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान के लिए घोषणाएं की हैं।

पाकिस्तान सरकार के लिए टीटीपी सबसे बड़ा खतरा है। पिछले महीने जब जनरल बाजवा पाकिस्तानी सेना की कमान नए प्रमुख असीम मुनीर को सौंप रहे थे तब तहरीक-ए-तालिबान ने जून में किए गए संघर्ष विराम समझौते को रद्द करने का ऐलान कर दिया। टीटीपी ने मुनीर को सीधी धमकी देकर अपने लड़ाकों से कहा कि पाकिस्तानी सेना मुजाहिदीन के खिलाफ अभियान चला रही है इसकारण यह जरूरी है कि देश में जहां हो सके हमला करें।

भारत ने यूक्रेन विवाद पर 'गहरी' चिंता जताई; रूस, यूक्रेन से बातचीत के रास्ते पर लौटने का आग्रह

वाशिंगटन (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने यूक्रेन में जारी संघर्ष पर ''गहरी'' चिंता जताते हुए रविवार को कहा कि भारत शांति के पक्ष में है और शुरुआत से ही भारत का प्रयास बातचीत और कूटनीति के रास्ते पर लौटने का रहा है। उन्होंने कहा कि मतभेदों को हिंसा से नहीं सुलझाया जा सकता। दो देशों की अपनी आधिकारिक यात्रा के दूसरे चरण में साइप्रस से यहां पहुंचे जयशंकर ने प्रवासी भारतीयों को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की।

जयशंकर ने कहा, ''यह (यूक्रेन) संघर्ष वास्तव में बहुत गहरी चिंता का विषय है... प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सितंबर में घोषणा की (कि) हम वास्तव में मानते हैं कि यह अब युद्ध का युग नहीं है। आप हिंसा के माध्यम से मतभेदों और मुद्दों को नहीं सुलझा सकते हैं।'' उन्होंने कहा, ''शुरू से ही हमारा प्रयास (रूस और यूक्रेन से) संवाद और कूटनीति पर लौटने का आग्रह करना रहा है... प्रधानमंत्री ने खुद राष्ट्रपति (व्लादिमीर) पुतिन और राष्ट्रपति (वोलोदिमीर) ज़ेलेंस्की के साथ कई मौकों पर बात की है। मैंने खुद रूस और यूक्रेन में मेरे सहयोगियों से बात की।'' उन्होंने कहा, ''हम जानते हैं कि यह आसानी से हल करने योग्य स्थिति नहीं है, लेकिन यह महत्वपूर्ण है कि जो देश वार्ता में विश्वास करते हैं, वे इस संबंध में स्पष्ट रूप से बात करें। हम शांति के पक्ष में हैं और दुनिया का एक बड़ा हिस्सा हमारी तरह सोचता है।

किम जोंग उन ने नंबर 2 सैन्य अधिकारी को किया बर्खास्त

सयोल (एजेंसी)। उत्तर कोरिया ने नेता किम जोंग उन के बाद दूसरे सबसे शक्तिशाली सैन्य अधिकारी पाक जोंग चोन को बर्खास्त कर दिया है। आधिकारिक केसीएनए समाचार एजेंसी ने कहा कि सत्तारूढ़ वर्कर्स पार्टी के केंद्रीय सैन्य आयोग के उपाध्यक्ष और पार्टी की केंद्रीय समिति के सचिव पाक को पिछले सप्ताह समिति की वार्षिक बैठक में री योंग गिल द्वारा प्रतिस्थापित किया गया था। बदलाव का कोई कारण नहीं बताया गया। प्योंगयांग नियमित रूप से अपने नेतृत्व में सुधार करता है और साल के अंत में पार्टी की सभा का उपयोग अक्सर कर्मियों के फेरबदल और प्रमुख नीतिगत निर्णयों की घोषणा करने के लिए किया जाता है। बदलाव का कोई कारण नहीं बताया गया।

सरकारी टेलीविजन ने बैठक के दौरान पोडियम की अग्रिम पंक्ति में सिर नीचे करके बैठे हुए दिखाया, जबकि अन्य सदस्यों ने कर्मियों के मुद्दों पर मतदान करने के लिए हाथ उठाया। बाद में उनकी सीट खाली दिखाई गई। किम के नए साल के दिन कुमसुसन पैलेस की आधिकारिक केसीएनए समाचार एजेंसी द्वारा सोमवार को जारी की गई तस्वीरों में भी वह अनुपस्थित थे, जहां उनके दादा और पिता के शव हैं। अक्टूबर के विपरीत जब पाक किम के साथ यात्रा पर गया था। एक पार्टी की सालगिरह को चिह्नित करने के लिए महल।

प्रधान मंत्री ट्रूडो ने विदेशी घर खरीदारों पर लगाया दो साल का प्रतिबंध

– कनाडा में एक नया कानून 1 जनवरी को लागू हुआ

टोरंटो (एजेंसी)। कनाडा दुनिया भर में अपने बहुसांस्कृतिक राष्ट्र की पहचान और गुणवत्ता के कारण विदेशी नागरिकों की पहली पसंद में से एक है। कनाडा ने एक नया कानून बनाया है जिससे अब विदेशी निवेशकों के लिए देश में घर खरीदना अब विदेशी निवेशकों के लिए दूर का सपना हो सकता है। देश ने कथित तौर पर निवेश के रूप में विदेशियों को बेची जाने वाली आवासीय संपत्तियों पर प्रतिबंध लगा दिया है। कनाडा में एक नया कानून 1 जनवरी को लागू हुआ है। कानून अनिवार्य रूप से विदेशी खरीदारों को दो साल के लिए निवेश के रूप में आवासीय संपत्ति खरीदने पर प्रतिबंध लगाता है। बताया जा रहा है कि दुनियाभर में महामारी की शुरुआत के बाद से संपत्ति की कीमतें बढ़ी है। राजनेताओं का मानना है कि निवेश के रूप में घरों की आपूर्ति बंद करने के लिए विदेशी खरीदार जिम्मेदार थे।

प्रधान मंत्री जस्टिन ट्रूडो की पार्टी की अभियान वेबसाइट ने पिछले साल कहा था। कनाडा के घरों की वांछनीयता मुनाफाखोरों धनी निगमों और विदेशी निवेशकों को आकर्षित कर रही है। ट्रूडो ने कहा था घर लोगों के लिए हैं निवेशकों के लिए नहीं। कनाडाई रियल एस्टेट एसोसिएशन के अनुसार कनाडा में औसत घर की कीमतें फरवरी में 800000 से ऊपर पहुंच गईं और तब से लगातार गिर रही हैं कीमतों में लगभग 13 प्रतिशत की कमी आई है। बैंक ऑफ कनाडा ब्याज दरें बढ़ा रहा है जिसके परिणामस्वरूप देश में उच्च बंधक दरें हैं। महामारी से पहले 2019 के अंत से सीआरईए का मूल्य सूचकांक अभी भी 38 प्रतिशत ऊपर है। हालांकि समूह ने कहा कि बिक्री के लिए घरों की सूची पूर्व-महामारी के स्तर पर लौट आई है।

यह एक व्यापक प्रतिबंध नहीं है और कुछ व्यक्तियों जैसे शरणार्थियों और स्थायी निवासियों को संपत्ति खरीदने की अनुमति देता है जो नागरिक नहीं हैं। इसके अलावा यह केवल शहरी आवासों पर लागू होता है न कि

गर्मियों के कॉटेज आदि जैसी मनोरंजक संपत्तियों पर। एएफपी के अनुसार यह उपाय अस्थायी है और दो साल के लिए लागू रहेगा। लगभग एक साल पहले जब आवास की बढ़ती कीमतें कई कनाडाई प्रधान मंत्री जस्टिन ट्रूडो की पहुंच से परे घर के स्वामित्व को दूर कर रही थीं तो उन्होंने इस उपाय को अपने 2021 के चुनावी अभियान के हिस्से के रूप में प्रस्तावित किया था। एक जीत के बाद ट्रूडो की लिबरल पार्टी ने गैर-कनाडाई अधिनियम द्वारा आवासीय संपत्ति की खरीद पर निषेध लागू किया।

संपादकीय

उम्मीदों की तस्वीर

हम नये साल आने पर अति आशावादी होकर अच्छा-अच्छा होने की उम्मीद रखते हैं। हमारा नजरिया सकारात्मक होना भी चाहिए। मगर साथ ही सोचें कि नया साल कुछ चुनौतियां लेकर भी आता है। बीते सालों की चुनौतियां इसमें शामिल होकर बड़ा बना देती हैं। जिनका मुकाबला दीर्घकालीन रणनीति बनाकर ही किया जा सकता है। हमने नया साल चीन में कोरोना के बदतर होते हालात के बीच मनाया। पहली बार जब भारत में कोरोना संक्रमण ने कहर बरपाया तो उसका स्रोत चीन ही था। मगर अब सरकार व स्वास्थ्य विशेषज्ञ कह रहे हैं कि चिंता की बात नहीं है लेकिन सावधानी जरूरी है। निस्संदेह, कोरोना से मुकाबले का अनुभव, इसका उपचार और वैक्सीन का कवच हमें आत्मविश्वास देता है। फिर देश में हर्ड इम्युनिटी भी भरोसे का प्रतीक है। बहरहाल हमारी चिंता अर्थव्यवस्था को लेकर होनी चाहिए। हम न भूलें कि अर्थव्यवस्था कोरोना संकट से पहले के स्तर पर पूरी तरह नहीं पहुंच पाई है। रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण विश्व में जो महंगाई बढ़ी है, उसने हमारे लक्ष्यों को बाधित किया है। खासकर पेट्रोलियम पदार्थों के दामों में जो तेजी आई है उसने हमारे निर्यात-आयात संतुलन को प्रभावित किया है। नये साल में कोशिश हो कि अर्थव्यवस्था तेजी से गति पकड़े और बेरोजगारी व महंगाई में कमी आए। उम्मीद की जानी चाहिए कि रूस-यूक्रेन युद्ध बंद हो। वैसे दोनों देश भी ऐसी इच्छा जाहिर कर चुके हैं लेकिन कारगर फॉर्मूला सामने नहीं आया है। वहीं यूक्रेन भारत से भी इस संघर्ष को खत्म करवाने में सहयोग की उम्मीद कर रहा है। देश के सामने चुनौती यह भी है कि चीन से लगती भारत की सीमाएं पूरी तरह शांत नहीं हैं। गलवान घाटी में हुए खूनी संघर्ष के बाद पिछले दिनों तवांग में हुई हालिया झड़प हमारी चिंता बढ़ाने वाली है। हालांकि, इसके बाद एलएसी पर शांति के लिये दोनों देशों ने इच्छा जरूर जतायी है। लेकिन साम्राज्यवादी चीन पर भरोसा नहीं किया जा सकता। वहीं हमारे सत्ताधीशों को गंभीरता से सोचना होगा कि दुनिया में सबसे अधिक युवाओं का देश बेरोजगारी के दंश से क्यों जूझ रहा है। क्यों युवाओं में विदेश जाने की बेताबी है? क्यों हम उनके सपनों में रंग नहीं भर पा रहे हैं? पूरी दुनिया में अपनी मेधा से परचम लहराने वाले भारतीय युवा अपने देश में ऐसा कर पाने में क्यों विफल हो जाते हैं? जाहिर है हमारी व्यवस्था की खामियां उनके सपनों पर पानी फेरती हैं। भ्रष्टाचार-मुक्त पारदर्शी व्यवस्था ही प्रतिभाओं के साथ न्याय कर सकती है। हमारी शिक्षा व्यवस्था की विसंगतियों को दूर करने की जरूरत है ताकि प्रतिभाएं अपनी उम्मीदों का आकाश हासिल कर सकें। हाल में भारत ने जी-20 की अध्यक्षता हासिल की है। इस साल देश में शिखर सम्मेलन होना है। भारत को इस अवसर का लाभ देश की प्रतिष्ठा व साख बढ़ाने और आर्थिक हितों की पूर्ति की दिशा में उठाना चाहिए। इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव राजनीतिक सरगर्मियां बढ़ाएंगे। लेकिन राजनीतिक व सामाजिक जीवन में चुनावी होड़ कटुता का वाहक न बने।

पुराने तजुर्बों से कोरोना की नई चुनौती होगी आसान

सच तो यह है कि चीन खुद अपने हल्के और घटिया उत्पादों को लेकर न केवल घिर गया बल्कि सकते में है। सबसे ज्यादा बेअसर दो वैक्सीन कोविलो और वोरो सेल रहीं जिसे एक ही कंपनी सिनोफॉर्म ने बनाया था। जीरो कोविड पॉलिसी के चलते लगातार लॉकडाउन जैसी तानाशाही भरी चीनी राष्ट्रपति शी जिंगपिंग की सख्ती ने वहां गृह युध्द जैसे हालात बन गए। महीनों से घरों में कैद लोगों के सब्र के बांध फूटने लगे। हो सकता है कि अभी जो विरोध के स्वर दिख रहे हैं वो शायद आगे ऐतिहासिक बनें?

(लेखक - ऋतुपर्ण दवे)

दुनिया एक बार फिर कोरोना की दहशत है। बीते अनुभवों के चलते भारत में चिन्ता से ज्यादा बात हो रही है जो ठीक है। हमेशा की तरह अब नए वैरिएण्ट बीएफ.7 की तबाही का मंजर डरा रहा है। सबसे ज्यादा डर चीन से आ रही हकीकत भरी तस्वीरों और वीडियो ने मचाया हुआ है। चीन की विफल जीरो कोविड पॉलिसी से सारी दुनिया में एक बार फिर उसके प्रति नफरत और गुस्सा है। अपने व्यापार को बढ़ाने के लिए हल्के-फुल्के बेअसर और सस्ते उत्पादों को बनाकर इंसानियत को भी नहीं बख्शने वाले चीन ने जिस तेजी से पहले 6 वैक्सीनें बनाकर पहले तो खूब वाहवाही लूटी बाद में इनके धड़ाधड़ बेअसर होने की सच्चाई ने दुनिया को हैरान और परेशान कर दिया। जल्दबाजी में बनी चीनी वैक्सीन जिफिवैक्स कॉन्विडेसिया कॉनवेक कोविलो वेरो सेल और कोरोनावैक ने दुनिया को कोरोना से बचाने का प्रचार कर खूब बेचा। लेकिन जब ये वो वैसा असर नहीं दिखा पाईं जो भारत सहित दूसरे कई देशों की वैक्सीनों ने दिखाया तो हो हल्ला मचना शुरू हुआ। सच तो यह है कि चीन खुद अपने हल्के और घटिया उत्पादों को लेकर न केवल घिर गया बल्कि सकते में है। सबसे ज्यादा बेअसर दो वैक्सीन कोविलो और वोरो सेल रहीं जिसे एक ही कंपनी सिनोफॉर्म ने बनाया था। जीरो कोविड पॉलिसी के चलते लगातार लॉकडाउन जैसी तानाशाही भरी चीनी राष्ट्रपति शी जिंगपिंग की सख्ती ने वहां गृह युध्द जैसे हालात बन गए। महीनों से घरों में कैद लोगों के सब्र के बांध फूटने लगे। हो सकता है कि अभी जो विरोध के स्वर दिख रहे हैं वो शायद आगे ऐतिहासिक बनें? वहां मौत का मंजर और लाशों के अंबार पहले भी दिखे जो अब बेहद ज्यादा हैं। बड़ी हकीकत यह है कि जितना भी सच सामने आता है वह चोरी छुपे जबकि सच्चाई कई गुनी ज्यादा होती है। चीन अक्सर अपनी करतूतों को छिपाने और सच को बाहर न आने देने के लिए पहले ही दुनिया में बदनाम है। उसने कोरोना जैसे मामलों पर भी विश्व स्वास्थ्य संगठन तक को गच्चा देने में कोई कसर नहीं छोड़ी जबकि साल के आखिरी दिन भी डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक टेड्रोस अदनोन गेब्रेयेसस ने फटकारते हुए सच्चाई साझा करने और भारत से बचाव की सीख लेने की नसीहत दी। जहां वुहान से निकले चीनी शैतान के इलाज खातिर वहां की वैक्सीन के खरीददार देश बेचैन हैं वहीं चीन का यह अहम भी टूटा कि कोरोना फैलाना और काबू करना उसके लिए चुटकियों का खेल है। भारत पहले भी सतर्क था और अब भी। तब और अब में फर्क इतना है कि महामारी का खौफनाक मंजर और मौतों के सच से सीख लेकर इस बार वैसा कुछ नहीं होने देने की कवायद है जो घट चुका है। कोरोना से दुनिया भर में बीते 26 महीनों के दौरान करीब साढ़े 57 लाख लोगों की जान गई है। चंद आंकड़ों पर गौर करें तो अमेरिका में 9 24530 ब्राजील में 631069 भारत में 530702 रूस में 334753 मैक्सिको में 308829 पेरू में 206646 यूके में 157984 इटली में 148167 इण्डोनेशिया में 144453 ईरान में 132681 लोग जान गंवा चुके हैं। लेकिन हालात बताते हैं कि पूरी दुनिया में आंकड़ों और हकीकत का सही अंतर बहुत अलग होगा जो कभी पता नहीं लग पाएगा। अभी भारत में दैनिक संक्रमण दर 0.17 प्रतिशत के करीब है। वहीं साप्ताहिक संक्रमण दर 0.15 प्रतिशत है। जबकि साल के आखिरी दिन 157671 टेस्ट किए गए। नए साल की शुरुआत के साथ ही भारत में ओमीक्रॉन के नए सब वैरिएण्ट एक्सबीबी.1.5 के मिलने से चिंता बढ़ गई है। पहला मामला गुजरात में मिला है ओमिक्रोन बीए.2 का हाइब्रिड उप-वेरिएंट का एक है। सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन यानी सीडीएस के आंकड़े की अमेरिका भर में इसके 40 प्रतिशत से ज्यादा मामले सामने आए। लेकिन इससे भी ज्यादा चिंता चीन के हालातों से है। बहरहाल जहां भारत में नए साल की सुबह तक कोरोना के 265 मामले सामने आए और सक्रिय मामलों की संख्या 3653 हो गई है। जहां विदेशी हवाई यात्रियों की रैण्डम जांच में संक्रमण मिलना और पहले आए कुछ यात्रियों का कोरोना संक्रमित होना चिंताजनक है वहीं शंघाई के देजी अस्पताल का वी चैट मैसेज बताता है कि केवल शहर में बीते हफ्ते 54.3 लाख पॉजिटिव मामले थे। अब यह संख्या सवा करोड़ पहुंच गई होगी जिससे चीन के हालात इसी से समझे जा सकते हैं। यही सच छुपाना पहले भी पूरी दुनिया पर भारी था और दोबारा भारी पड़ने वाला है? वहां चल रही उथल-पुथल और प्रदर्शनों के दबाव से पाबंदियों में कुछ ढ़ील जरूर दी गई है लेकिन दूसरी ओर जांच में ढ़िलाई कराना सरकार की बेबसी दिखाता है। क्रिसमस और नए साल के बावजूद लोग खुद को ही घरों में कैद दिखे। शहरों की गलियां सुनसान हैं तो दूकानें बन्द हैं। कर्मचारी संक्रमित हैं हालात बद से बदतर हैं। ऐसे में पड़ोसी होने के चलते भारत की चिन्ता जरूरी है। उधर जापान दक्षिण कोरिया और अमेरिका समेत कई देशों में कोरोना तेजी से बढ़ा है। प्रधानमंत्री मोदी का उच्च स्तरीय बैठक लेना गंभीरता को बताता है। भारत में एक बार फिर एहतियात का दौर शुरू होना तय है। निश्चित रूप से व्यापार जगत चिंतित है। दोबारा मास्क जरूरी होगा सैनिटाइजर साबुन से हाथ धोना सामाजिक दूरी का पालन करना तथा भीड़ भाड़ वाली जगहों पर जाने से बचने की एडवायजरी जारी होगी। जहां 27दिसंबर को देश भर के अस्पतालों में कोरोना संबंधी आपातकालीन तैयारियों लिए हुए मॉकड्रिलल से व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने में मदद मिलेगी वहीं भारत में दोनों खुराक और बूस्टर डोज मिलाकर अब तक 220 करोड़ लोगों को वैक्सीन लेना रहात की बात है।

हालाकि भारत में बीती लहर में तेजी से संक्रमित हो चुके लोगों में हाइब्रिड इम्युनिटी के चलते खतरा कम है लेकिन सतर्कता जरूरी है। शायद सारी कवायद इस बार इसी पर ज्यादा है। अब भी कइयों ने बूस्टर डोज नहीं लिया है जिसे विशेषज्ञ जरूरी बता रहे हैं। नया वैरिएण्ट ज्यादा खतरनाक बताया जा रहा है जो दो गुने से ज्यादा लोगों को संक्रमित कर सकता है। लेकिन सुकून की बात है कि भारत में पहले लाखों संक्रमित हुए जो ठीक भी हुए क्योंकि हमारी अपनी वैक्सीन ने प्रतिरोधी ताकत बनाया। इसी कारण विशेषज्ञ अब डर व खौफ के बजाए सतर्कता को तवज्जो दे रहे हैं। जब सतर्कता से ही दोबारा मंडरा रही चीनी महामारी को पटखनी दे सकते हैं तो बुरा क्या है? क्यों न हम अभी से दो गज की दूरी मास्क जरूरी पर अमल कर पुराने अनुभवों से कोरोना के लिए खुद ही चुनौती बन जाएं!

आज का राशीफल

मेष जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृषभ आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। दूसरों से सहयोग लेने में आप सफल रहेंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

मिथुन आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। दूसरों से सहयोग लेने में आप सफल रहेंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

कर्क राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं।

कन्या व्यावसायिक योजना सफल होगी। आर्थिक दिशा में किए गए प्रयासों में सफलता मिलेगी। वाणी की सौम्यता बनाकर रखना आवश्यक है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

तुला व्यावसायिक व पारिवारिक समस्याएं रहेंगी। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आमोद-प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

वृश्चिक शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। विरोधियों का पराभव होगा। मकान सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। पड़ोसियों से अकारण विवाद हो सकता है।

मकर रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है।

कुम्भ दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मन प्रसन्न रहेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

मीन गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। भारी व्यय का सामना करना पड़ेगा। व्यर्थ के विवाद में न पड़ें।

आज का राशीफल

निजी क्षेत्र में स्थानीय आरक्षण की तार्किकता

दिनेश भारद्वाज

राजनीतिक दल यह अच्छे से समझ चुके हैं कि 'युवा' हो रहे देश में युवाओं के साथ के बिना सत्ता मुश्किल है। तभी तो हरियाणा सहित छह राज्य ऐसे हैं, जिन्होंने युवाओं को लुभाने, रिझाने और मनाने के लिए प्राइवेट सेक्टर की नौकरियों में भी आरक्षण व्यवस्था लागू की है। यह बात अलग है कि अभी तक पूरी तरह किसी भी राज्य के युवाओं को यह अधिकार नहीं मिला है। हरियाणा के बाद अब झारखंड सरकार भी अगले साल जनवरी से प्राइवेट सेक्टर की 75 प्रतिशत नौकरियां स्थानीय युवाओं के लिए रिजर्व करने जा रही है। वर्ष 2019 के विधानसभा चुनाव हरियाणा के लिए खास थे। भाजपा सत्ता में थी और मनोहर लाल के नेतृत्व में '75 प्लस' के नारे के साथ चुनाव लड़ा गया। पांच साल की एंटी-इन्कमबेंसी भी थी और भी दूसरे राजनीतिक कारण थे कि भाजपा चालीस का आंकड़ा मुश्किल से छू पाई। इनेलो से अलग होकर अस्तित्व में आई दुष्यंत चौटाला के नेतृत्व वाली जननायक जनता पार्टी (जजपा) ने इन चुनावों में ऐसा प्रदर्शन किया कि सत्ता की 'चाबी' उसके हाथों में आ गई। जजपा को 10 सीटों पर विधायक मिले। नब्बे हलकों वाली हरियाणा विधानसभा में भाजपा को दूसरी बार सत्तासीन होने के लिए छह विधायकों की जरूरत थी। ऐसे में उसे 10 विधायकों वाली जजपा का साथ मिला। जब दो दल मिलकर सरकार बनाएंगे तो लाजिमी है कि चुनावी मुद्दों पर भी सौदेबाजी हुई होगी। गठबंधन की सरकार में डिप्टी सीएम बने दुष्यंत सिंह चौटाला प्राइवेट सेक्टर की नौकरियों में मूल निवासी युवाओं को 75 प्रतिशत आरक्षण देने का अपनी पार्टी का चुनावी वादा पूरा करवाने में कामयाब रहे। हरियाणा विधानसभा ने 2020 में 'हरियाणा राज्य स्थानीय व्यक्ति रोजगार अधिनियम, 2020' करने के लिए विधेयक पारित किया। इसमें अड़चनें भी आईं, लेकिन दूर कर ली गई। पहले 50 हजार तक वेतन वाली नौकरियों में 75 प्रतिशत आरक्षण का निर्णय लिया था। स्थानीय कंपनियों व उद्यमियों की मांग और नाराजगी के बीच 50 की बजाय 30 हजार तक वेतन की नौकरियों में इस कानून को लागू करने की सहमति बनी। 15 जनवरी, 2021 से इसे राज्य में लागू करने का नोटिफिकेशन भी जारी हो गया। फरीदाबाद इंडस्ट्रियल एसोसिएशन व अन्य ने पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में सरकार के फैसले को चुनौती दी। दलील दी गई कि प्राइवेट सेक्टर में योग्यता और कौशल के आधार पर लोगों का चयन होता है। अगर सरकार के दबाव में नौकरियां दी गई तो वे अपना व्यापार नहीं कर सकेंगे। हाईकोर्ट ने सरकार के फैसले पर रोक लगा दी। राज्य सरकार सुप्रीम कोर्ट पहुंची और सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट द्वारा लगाए गए स्टे को हटा दिया। हालांकि अंतिम फैसला हाईकोर्ट पर ही छोड़ दिया। इस बीच, रोजगार के लिए रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया जारी रखने की अनुमति सरकार को दे दी। बहरहाल, मामला हाईकोर्ट में ही

लंबित है और प्रदेश के युवाओं को इंतजार है कि कब 75 प्रतिशत आरक्षण के तहत उन्हें स्थानीय कंपनियों व उद्योगों में रोजगार मिलेंगे। प्रदेश की उन सभी प्राइवेट कंपनियों, उद्योगों, ट्रस्ट आदि में यह फैसला लागू होना है, जहां स्टॉफ की संख्या 10 से अधिक है। बेशक, इस तरह के कानून संविधान की मूल भावना के खिलाफ ही माने जा रहे हैं। चूंकि संविधान में सभी को बराबरी का हक दिया हुआ है। हरियाणा के अलावा महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में भी इस तरह के कानून बने हुए हैं। विडंबना यह है कि इन राज्यों में या तो यह कानून सही से लागू नहीं हो पाया है या फिर कोर्ट-कचहरी के चक्कर में लटका हुआ है। बेशक, हरियाणा ने कोशिश की है कि कंपनियों पर फैसला थोपने की बजाय प्रदेश के युवाओं को इस योग्य बनाया जाए कि प्राइवेट सेक्टर के लोग उन्हें राजी-राजी अपने यहां रखें। इसके तहत युवाओं को स्किल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन के तहत ट्रेनिंग भी देने की व्यवस्था शुरू की गई। मार्केट में डिमांड के हिसाब से युवाओं को तैयार किया जा रहा है ताकि प्राइवेट सेक्टर में जाने के बाद वे मार न खाएं। हरियाणा को लेकर प्राइवेट सेक्टर के लोगों के अनुभव बहुत अच्छे नहीं हैं। पूर्व में गुरुग्राम मारुति और होंडा सहित कई कंपनियों में बड़े विवाद हो चुके हैं। श्रमिकों के आंदोलन की वजह से कई दिन काम प्रभावित रहे हैं। शायद, ये विवाद भी प्राइवेट सेक्टर के लोगों द्वारा किए जा रहे विरोध का कारण हो सकते हैं। आमतौर पर किसी भी राज्य के उद्योगपति और कंपनियों के मालिक स्थानीय युवाओं की बजाय दूसरे राज्यों के लोगों को नौकरियों में तवज्जो देते हैं। स्थानीय होने के चलते यूनियन भी जल्दी बनती हैं और प्रभावी भी रहती हैं। बहरहाल, हरियाणा की गठबंधन सरकार का यह 'सपना' अभी अधूरा है। झारखंड की सरकार भी नये साल से इसे अपने यहां लागू तो करने जा रही है, लेकिन कितनी कामयाब होगी, इस पर संशय ही बना रहेगा। स्थानीय युवाओं को रोजगार की शुरुआत सबसे पहले महाराष्ट्र में हुई थी। बाल ठाकरे के समय उठी मराठी मानुष की आवाज कारगर रही। हालांकि यह फैसला दूसरे राज्यों में नाराज़गी का कारण भी बना। धीरे-धीरे कई राज्य इसी दिशा में आगे बढ़े। जरूरत इस बात की है कि सरकार इस तरह के कानून बनाने की बजाय युवाओं को इस तरीके से तैयार करे कि प्राइवेट कंपनियों के पास उन्हें न चुनने के लिए कोई विकल्प ही न बचे।

विचार मंथन

तीर्थ क्षेत्र को पर्यटन क्षेत्र बनाने का केंद्र सरकार का हठ?

(लेखक- सनत जैन)

केंद्र सरकार को यह मुगालता हो गया है कि जैन धर्म के लोग अल्पसंख्यक हैं। यह भाजपा की सबसे बड़ी भूल है। सामाजिक एवं राजनीतिक दृष्टि से जैन समाज का सभी वर्गों और समुदायों पर हमेशा से सहयोगात्मक संबंध रहा है।जैन समाज के लोगों पर सभी धर्म एवं संप्रदायों को विश्वास है। जब भी सामाजिक एवं राजनीतिक बदलाव आता है। उसकी प्रेरणा स्त्रोत जैन समाज ही होती है। जिसके कारण वह हमेशा बहुसंख्यक समाज के साथ मेलजोल की भूमिका में होती है। जैन समाज की धार्मिक आस्थाओं पर पहली बार इतनी बड़ी चोट की गई है।सम्मेद शिखर तीर्थ क्षेत्र से तप करके 20 तीर्थंकर भगवान मोक्ष गए हैं। उस तीर्थ क्षेत्र को पर्यटन स्थल बनाने की गलती केंद्र एवं राज्य सरकार कर रही है। धार्मिक क्षेत्र कवि पर्यटन एवं मौज मस्ती के स्थान नहीं हो सकते हैं।जैन समाज के आंदोलन और प्रदर्शन को बड़े हल्के मेंकेंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा लिए जाने के कारण देश के जैन समाज के सभी पंथ और सभी समुदाय के लोग उद्वेलित हैं। जैन समाज के सभी आचार्य और मुनि महाराज पर्यटन स्थल बनाने का विरोध कर चुके हैं। दिसंबर माह में देश में बड़े पैमाने पर आंदोलन हुए। केंद्र सरकार ने सम्मेद शिखरजी तीर्थ क्षेत्र को पर्यटन क्षेत्र घोषित करने की अधिसूचना रद्द नहीं की। जिसके कारण मुंबई अहमदाबाददिल्ली और देशभर के विभिन्न हिस्सों में जैन समाज के भारी विरोध प्रदर्शन 1 जनवरी 2023 को हुए। दिल्ली में पुलिस ने प्रदर्शनकारियों के ऊपर बल प्रयोग भी किया।इसी बीच गुजरात के पालीताणा शहर में जैन मंदिर में तोड़फोड़ हुई।इससे जैन समाज में भारी असंतोष फैल गया है। अल्पसंख्यकों की धार्मिक भावनाओं को जिस तरीके से भड़काया जा रहा है। उससे अल्पसंख्यक समुदाय जिसमे जैन सिख और बौद्धों को भी अब यह लगने लगा है कि वर्तमान शासन काल में उनकी धार्मिक आस्थाऐं सुरक्षित नहीं हैं।जैन समाज का सभी वर्गों को साथ में लेकर चलने का स्वर्णिम इतिहास है। जैन समाज की धार्मिक आस्था के सबसे बड़े केंद्र बिंदु सम्मेद शिखरजी को पर्यटन स्थल बनाने का केंद्र सरकार का हठ क्यों है। इसको जैन समाज भी नहीं समझ पा रही है। जैन समाज में इसके पहले इतनी बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया कभी देखने को नहीं मिली। मुगलों और अंग्रेजों के शासन में जो कृत्य नहीं हुआ वह स्वतंत्र भारत के अपने ही हिंदू राज में हो रहा है। केंद्र सरकार जैन समाज की आस्था और हजारों वर्षों के पौराणिक इतिहास की अनदेखी करकेभारतीय जनता पार्टी ने राजनीतिक दृष्टि से भी बड़ा जोखिम ले लिया है। भाजपा के लोग जिस तरह से 80:20 की राजनीति कर रहे हैं।उसके हिसाब से जैन समाज अल्पसंख्यक है। लेकिन जैन समाज का प्रभाव 60 फ़ीसदी आबादी में प्रत्यक्ष रूप से होता है। रोजी रोजगार टैक्स और विकास के क्रम में जैन समाज का बड़ा योगदान हमेशा से रहा है।आगे भी रहेगा।यदि जैन समाज रूठ गई तो केंद्र सरकार को भी अपना अस्तित्व बचाना मुश्किल होगा।जैन समाज प्रभाव सभी जाति और धर्म समुदाय में भरोसे का है। जैन समाज सभी वर्गों के साथ बिना किसी भेदभाव के सबको साथ लेकर चलती है। सभी के प्रति जियो और जीने दो की भावना रखती है। समाज के सभी वर्गों को समय पड़ने पर मदद के लिए खड़ी होती है। इस छवि के सामने भाजपा की राजनीतिक छवि कोई मायने नहीं रखती है। समय रहते केंद्र सरकार ने यदि शीघ्र निर्णय नहीं लियातो राजनीतिक दृष्टि से भाजपा को बड़ा नुकसान होना तय है। पहली बार जैन समाज का गुस्सा सड़कों पर देखने को मिल रहा है। गांव गांव में मौन जुलूस निकाले जा रहे हैं। सभी वर्गों के लोग इस आंदोलन में जैन समाज को समर्थन दे रहे हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि भाजपा की यह अभी तक की शायद सबसे बड़ी गलती है।जैन समाज को अल्पसंख्यक समाज मानकर केंद्र सरकार ने उपेक्षित करना शुरू किया है। इससे केंद्र सरकार की साख और आम लोगों का विश्वास केंद्र सरकार से कम हो रहा है। केंद्र सरकार को यह समझना होगा।

लेटेस्ट ट्रेंड के हिसाब से सजाएं बच्चों का कमरा

घर सजाने में भले ही कम समय लगता हो लेकिन बच्चे का कमरा डैकोरेट करते समय बहुत कुछ सोचना पड़ता है। छोटे बच्चे शरारती होते है इसलिए उनके कमरे को उनकी आदतों के अनुसार ही सजाना पड़ता है। कमरे की डैकोरेशन ऐसी होनी चाहिए जिसमे वह आसानी से छोटे-छोटे खेलों को खेल सके इसके अवाला बेड की ऊंचाई भी ध्यान में रखनी चाहिए ताकि बच्चे आराम से अपने कमरे में रह सकें। आज हम आपको बच्चों के कमरे के लेटेस्ट डिजाइन दिखाएंगे जो कि अरामदायक और देखने में खूबसूरत है। अगर आप भी बच्चों के कमरे की डैकोरेशन को लेकर परेशान हैं तो यहां से आइडिया ले सकते हैं।

अगर आपका बच्चा थोड़ा चंचल स्वभाव का है तो इस तरह से कमरे को सजा सकते हैं। बैड के इर्द- गिर्द बच्चे के पसंदीदा रंग के पर्दे लगाएं। इसके साथ ही बेड पर खिलौने भी रख सकते हैं। इस तरह से सजा कमरा बच्चे को बेहद पसंद आएगा।

कुछ बच्चे बेहद शांत स्वभाव के होते हैं। उनके लिए सिंपल तरके से सजा कमरा बैस्ट ऑप्शन है। अगर आपके घर में दो बच्चे हैं तो दोनों के एक ही कमरे में अलग- अलग बेड दें ताकि उनको सोने में परेशानी न हो।

लाल, नीला और पीले रंग का कॉम्बिनेशन बच्चों को बेदह प्यारा लगता है। आप डबलबेड भी बच्चों के कमरे में लगा सकते हैं। मगर ध्यान रहें की बड़े बच्चे को ऊपर और छोटे को नीचे सोने को कहें।

बच्चे को कमरे को अलग रूप देने के लिए इस तरह के फनी रंगो से सजाएं। अगर आप चाहें तो इस पर कोई अच्छी सी चित्रकारी भी करवा सकती हैं।

जिन बच्चो को जंगली जानवर अच्छे लगते हैं उनके लिए आप जू ट्रिप थीम वाला कमरा सजा सकती हैं। इस तरह से डैकोरेट रूम बच्चे को बेहद अच्छा लगेगा।

बच्चे के कमरो को खिलौने से इस तरह से सजा सकती हैं। कमरे में इस तरह रखे खिलौने देखे में बेहद प्यारे लगेगें।

आजकल 3D आर्ट डेकोर स्टाइल बहुत चलन में है। बच्चों को भी कमरे की इस तरह की सजावट बेहद अच्छी लगती है।

याद रखें ये छोटे-छोटे नुस्खे बच्चे से हर समस्या रहेगी दूर

भले ही आप बच्चे की परवरिश में कोई कसर न छोड़ें, लेकिन लाख सावधानियां बरतने के बाद भी कोई न कोई गलती हो ही जाती है। बच्चों की परवरिश करना आसान काम नहीं है क्योंकि बच्चे बेहद नाजुक और संवेदनशील होते हैं। बदलते मौसम में उन्हें सर्दी, खांसी और त्वचा संबंधी कई प्रॉबल्म भी हो सकती है। ऐसे में उन्हें खास केयर की जरूरत होती है, ताकि उन्हें इन परेशानियों से बचा कर रखा जा सकें।

अक्सर छोटे बच्चे बीमार होते है तो सबसे ज्यादा मां टेंशन में पढ़ जाती है, उनकी सेहत सुधारने में लगी रहती है, लेकिन जरूरी नहीं है कि छोटी-छोटी बीमारियों के लिए बच्चों को डॉक्टर के पास ले जाया जाए, बल्कि आप कुछ छोटे-छोटे नुस्खे इस्तेमाल करके भी बच्चे को इन परेशानियों से बचाए रख सकते है। आज हम आपको बच्चों की सेहत दुरुस्त रखने के कुछ टिप्स बताएंगे, जो हर मां को पता होने चाहिए।

शरीर में खुजली

अगर बच्चे की शरीर में खुजली हो रही है तो उसके नहाने के पानी में ओट्स मिला दें। यह उन बच्चों के लिए भी काफी मददगार है, जिन्हें चिकनपॉक्स की समस्या रहती है। खुजली से राहत मिलती है।

सर्दी भगाएं हल्दी-दूध

बच्चों को जल्दी सर्दी लग जाती है। ऐसे में उसे दूध में हल्दी मिलाकर पिलाएं। इससे बच्चों को काफी राहत मिलेगी।

हिचकी आने पर चीनी

जब बच्चे की हिचकियां रूकने का नाम ही नहीं लेती तो मां अक्सर चिंता में पड़ जाती है। इस तरह की परेशानी में परेशान न हो बल्कि बच्चे को एक चम्मच चीनी खिला दें। चीनी खाने से डायफरग्राम की मांसपेशियों को राहत मिलती है और हिचकी रुक जाती है।

गले में खराश

अगर बच्चे के गले में खराश और दर्द है तो उसे 1 चम्मच शहद चटाएं। इससे गले की खराश पैदा करने वाले कीटाणुओं को संमाप्त होते है और यह स्वाद में मीठा होने के कारण बच्चों को पसंद भी बेहद आता है।

पाचन क्रिया दुरुस्त

अगर बच्चे का हाजमा खराब है तो भी बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ता है। ऐसे में बच्चों को नींबू चटाएं, इससे दस्त की समस्या दूर रहेगी क्योंकि नींबू में साल्विया के निर्माण में कमी आती है और दस्त में आराम मिलता है।

बचपन में ही बच्चे को सिखाएं बचत की अहमियत

आपको पैसे की कमी हो या न हो बच्चों को पैसे की अहमियत समझानी बहुत जरूरी बात है ताकि आगे जाकर उन्हें अपनी जिंदगी में फाइनेशियल प्रॉब्लम न आएं। उन्हें पैसे की बचत करने की आदत डालनी चाहिए। आप उन्हें यह आदत अपनी मेहनत की बातें बता कर भी डाल सकते हैं। पढ़ाने-लिखाने के साथ उन्हें यह समझाना बहुत जरूरी है कि पैसा कमाने के लिए कितनी मेहनत करनी पड़ती है। ये बातें उन्हें बचपन से ही सिखानी चाहिए ताकि आपको भविष्य में उनकी कोई परेशानी न हो। बचत की आदत से उनकी जिंदगी परफैक्ट हो सकती हैं। वह अपने हर सपने का पूरा कर सकते हैं। आइए जानिए आप उन्हें किन बातों द्वारा बचत की आदत डाल सकते हैं।

अपनी मेहनत करने की बातें बताएं

बच्चों को बचत की आदत डालने के लिए उन्हें यह बताना बहुत जरूरी होता कि पैसा किस तरह से मेहनत करके कमाया जाता है। आप उन्हें यह जरूर बताएं कि आप किस तरह मेहनत करके एक-एक पैसा जोड़ते हैं। इसके लिए उन्हें शुरू से मेहनत करने की आदत डालें। उनसे घर के छोटे-छोटे काम करवाएं। इस तरह उन्हें भी मेहनत करने की आदत पड़ेगी और पैसे की अहमियत समझ आएगी।

पॉकेट मनी से बचत करें

बच्चों को पॉकेट मनी से बचत करने की आदत डालें। इस आदत के लिए उन्हें यह लालच दें कि बचाए हुए पैसे से वह अपनी मनपसंद की चीज खरीद सकते हैं या फिर कभी जरूरत पड़ने पर खर्च कर सकते हैं।

जरूरत और चाहत में फर्क बताएं

बचत करने की आदत डालने के लिए बच्चों को जरूरत और चाहत में फर्क बताना बहुत जरूरी है। उन्हें यह बताए कि जरूरत के अनुसार ही किसी भी चीज को खरीदें। चाहत तो बहुत कुछ पाने की होती है। उन्हें पैसे देकर अकेले खरीददारी करने के लिए भेजे और देखें कि वह किस तरह जरूरत के अनुसार चीजें खरीदते हैं, अगर वह कोई एक्सट्रा चीज खरीदते हैं तो उसे डांटने की बजाय समझाएं।

बचत से हेल्प करनी सिखाएं

बचत करने की आदत बच्चे में स्वार्थ की भावना भी पैदा कर सकती है इसलिए उसे जमा किए पैसे से किसी भी जरूरतमंद की मदद करनी सिखाएं। आपको जरूरत हो या न हो शुरू से ही उनसे कभी-कभी अपने लिए मदद लें।

गिफ्ट दें

बच्चों को उनके बचाएं पैसे से उनके पसंदीदा गिफ्ट लाकर दें, जिसे देख कर वह खुश हो जाएंगे और उन्हें बचत करने की आदत पड़ेगी।

बच्चों की डाइट में शामिल करें ये जूस, दिमाग होगा तेज

मां- बाप यही चाहते हैं कि उनका बच्चा पढ़ने में होशियार हो ताकि वह दुनिया के साथ कदम से कदम मिलकार चल सके। आजकल तो वैसे भी फाइनल एग्जाम चल रहें। मां- बाप इस समय बच्चों की डाइट का खास ध्यान रखते हैं ताकि उनको अच्छे से अच्छे नंबर मिलें। मगर कई बार बच्चा कोशिश करने के बाद भी पेपर के समय सब कुछ भूल जाता है। अगर आप भी चाहती हैं कि बच्चे का दिमाग तेज हो और वह अच्छे नंबरों के साथ पास हो तो उनको डाइट में ये ड्रिंक जरूर शामिल करें। इनको पीने से कुछ दिनों में बच्चे कि स्मरण शक्ति बढ़ जाएगी।

अनार का जूस

अनार में एंटी-ऑक्सीडेंट गुण पाए जाते है जो ब्रेन सेल्स को खराब होने से बचाता है।

अगर आपका बच्चा पढ़ाई लिखाई में थोड़ा सा कमजोर है तो रोजाना उसको अनार का जूस पीने को दें। लगातार अनार का जूस पीने से कुछ दिनों में आपको अपने बच्चे में फर्क दिखाई देने लेगा।

बादाम शेक

बादाम में प्रोटीन काफी मात्रा में होता है जो ब्रेन की ग्रोथ बढ़ाने में फायदेमंद होता है। रोजाना ये शेक पीने से बच्चे का दिमाग तेज होने के साथ ही उसका पेट भी सही रहता है।

एलोवेरा जूस

इसमें विटामिन B6 बहुत ज्यादा पाया जाता है। इसको पीने से यादाशत तेजी से बढ़ती है। ये पीने में टेस्टी नहीं होता मगर बच्चे के दिमाग के लिए बेस्ट टॉनिक होता है। अगर आपका बच्चे को उसका स्वाद पसंद नही आता तो आप अमरूद के जूस में एलोवेरा मिलाकर दे सकते हैं।

ग्रीन टी

ग्रीन टी पॉलीफेनॉल्स का गुण होता है जो दिमाग को शार्प करने के साथ ही इसको फ्रेश रखने का काम भी करता है।

संतरे का जूस

संतरे में फ्लेवोनाइट्स होते है जो दिमाग को एक्टिव रखता है। एक गिलास संतरा का जूस पीने से बच्चा को पूरा दिन उत्साह के साथ गुजरेगा।

चुकंदर का जूस

चुकंदर का जूस पीने से ब्लड सर्कुलेशन तेजी से होने लगता है। यह जूस दिमाग को तेज करने के साथ ही डेमेंशिया यानी मेमोरी लौस से भी बचाता है।

टमाटर का जूस

टमाटर में विटामिन डी, सी और ए की अच्छी मात्रा पाई जाती है। यह जूस त्वचा में निखार लाने के साथ ही दिमाग भी तेज करता है।

नारियल पानी

गर्मियों के मौसम में नारियल पानी से पूरा शरीर तरोताजा रहता है। मगर बहुत कम लोगों को पता होगा कि इसको रोजाना पीने से दिमाग तेज होने के साथ ही एकाग्रता भी बढ़ती है।

अगले वित्त वर्ष कोयला उत्पादन 99.7 करोड़ टन रहने की संभावना

मुंबई । सरकारी आंकड़ों के अनुसार देश में अगले वित्त वर्ष 2023-24 में 99.71 करोड़ टन कोयला उत्पादन होने का अनुमान है। इस दौरान सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी सीआईएल का उत्पादन 76 करोड़ टन रह सकता है। इसके बाद सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) का उत्पादन 7.5 करोड़ टन और कैप्टिव खदानों तथा अन्य उत्पादन 16.21 करोड़ टन रहने की संभावना है। आंकड़ों के अनुसार 2024-25 के दौरान देश में 111.16 करोड़ टन कोयले का उत्पादन होने की उम्मीद है। इसमें कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) की हिस्सेदारी 85 करोड़ टन रह सकती है। इसके अलावा एससीसीएल का उत्पादन आठ करोड़ टन और कैप्टिव एवं अन्य उत्पादन 18.16 करोड टन रह सकता है। इसके बाद वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान देश में कोयले का उत्पादन 128.83 करोड़ टन होने की उम्मीद है। इसके अगले वर्ष यह आंकड़ा बढ़कर 134.28 करोड़ टन तक पहुंच सकता है। कोल इंडिया का घरेलू कोयला उत्पादन में 80 प्रतिशत से अधिक का योगदान है।

टॉर्क मोटर्स ऑटो एक्सपो में पेश करेगी नई इलेक्ट्रिक बाइक

मुंबई । ऑटो एक्सपो 2023 बहुत जल्द शुरू होने जा रहा है। टॉर्क मोटर्स ने घोषणा की हैं कि वे ऑटो एक्सपो 2023 में एक नई इलेक्ट्रिक बाइक पेश करेगी। इसके साथ ही कंपनी क्रेटोस आर के अपडेटेड वर्जन से भी पर्दा उठा सकती है। कंपनी का कहना है कि नई टॉर्क क्रेटोस आर नए और बेहतर डिजाइन के साथ बाजार में आएगी। टॉर्क मोटर्स के वर्तमान लाइनअप में टॉर्क क्रेटोस और टॉर्क क्रेटोस आर बाइक मौजूद हैं। टॉर्क क्रेटोस की कीमत 1.22 लाख रुपए और टॉर्क क्रेटोस आर की एक्स-शोरूम कीमत 1.37 लाख रुपए है। हाल ही में कंपनी ने इन बाइक की कीमत में बढ़ोतरी का भी ऐलान किया था। 1 जनवरी 2023 से ये बाइक्स 10000 रुपए महंगी हो गई हैं। टॉर्क मोटर्स के संस्थापक और सीईओ कपिल शेल्के ने बताया कि क्रेटोस ईवी मोटरसाइकिल के एक नए युग की शुरुआत थी। टॉर्क क्रेटोस में हम मोटरसाइकिलों के डिजाइन विकास और निर्माण की दिशा में हमेशा प्रगतिशील रहे हैं एक संपूर्ण उत्पाद पोर्टफोलियो रखने की स्पष्ट विचार प्रक्रिया के साथ जो स्वदेशी रूप से हमारे विशिष्ट रूप से विकसित मोटरसाइकिल प्लेटफॉर्म पर आधारित है।

स्विगी ने नए साल की रात 1.65 लाख और जोमैटो ने 16,514 बिरयानी के ऑर्डर डिलीवर किए

नई दिल्ली। होमग्रोन ऑनलाइन फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म स्विगी और जोमैटो ने खुलासा किया है कि उन्होंने नए साल की पूर्व संध्या पर क्रमशः 1.65 लाख और 16,514 बिरयानी ऑर्डर दिए।स्विगी ने 31 दिसंबर को ट्वीट किया, मैं बस उम्मीद कर रहा हूं कि आप सभी के पास 1.56 लाख बिरयानी के लिए पर्याप्त जगह बची हो जो कि डिलीवर भी हो चुकी है। बाद में, इसने पोस्ट किया कि जब मैंने यह ट्वीट किया तब से बिरयानी ऑर्डर की संख्या 1.65 लाख हो गई है। स्विगी के सीईओ श्रीहर्ष मजेटी ने यह भी खुलासा किया कि उस दिन 1,22,000 से अधिक उपयोगकर्ता एप्लिकेशन पर लाइव थे और कहा, जीवन में आने वाली अद्वितीय सुविधा प्रदान करने के स्विगी के मिशन को देखकर खुशी हुई। दूसरी ओर, जोमैटो के सीईओ दीपिंदर गोयल ने खुलासा किया कि 2022 के आखिरी दिन 16,514 बिरयानी, लगभग 15 टन, वितरित की गई। उन्होंने ट्वीट किया, भारत के खूबसूरत लोगों को खुश करने के लिए हमारे प्यारे डिलीवरी पार्टनर्स को बहुत-बहुत धन्यवाद। गोयल ने यह भी खुलासा किया कि नए साल की पूर्व संध्या पर दिए गए ऑर्डर कंपनी की फूड डिलीवरी सेवा के पहले तीन वर्षों में दिए गए कुल ऑर्डर से अधिक थे।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुंबई ।

मुम्बई शेयर बाजार सोमवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। साल के पहले ही पहले ही कारोबारी दिन बाजार में यह तेजी दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही दिग्गज कंपनियों रिलायंस इंडस्ट्रीज और आईसीआईसीआई बैंक आदि के शेयरों में खरीददारी हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 327.05 अंक करीब 0.54 फीसदी ऊपर आकर 61167.79 अंक पर बंद हुआ। वहीं पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 92.15 अंक करीब 0.51 फीसदी उछलकर 18197.45 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में टाटा स्टील टाटा मोटर्स आईसीआईसीआई बैंक एक्सिस बैंक महिंद्रा एंड महिंद्रा रिलायंस इंडस्ट्रीज एनटीपीसी और भारती एयरटेल के शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये हैं। इससे पहले आज सुबह बाजार बढ़त के खुला। सेंसेके स आज सुबह 30 अंकों की बढ़त के साथ 60871 पर खुला और कारोबार शुरू किया जबकि निफ्टी 27 अंकों की तेजी के साथ 18132 पर खुला और कारोबार की शुरूआत हुई। इसके बाद

बाजार में उछाल दिनभर बना रहा। सोमवार के कारोबार में टाटा स्टील हिंडाल्को ओएनजीसी टाटा मोटर्स और आईसीसआईसीआई बैंक सबसे ज्यादा लाभ में रहे जबकि टाइटन एशियन पेंट डेविस लैब् बाजाज आटो और हीरो मोटो कोप के शेयर गिरे हैं। दूसरी ओर एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी गिरा है। वहीं यूरोप के प्रमुख बाजारों में शुरुआती कोरोबार में तेजी का रुख था। अमेरिकी बाजार शुक्रवार को गिरावट पर रहा था। इस बीच अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 2.94 फीसदी बढ़कर 85.91 डॉलर प्रति बैरल रहा।

साल 2023 में दुनिया का हर तीसरा आदमी होगा मंदी की चपेट में: आईएमएफ

वाशिंगटन । आईएमएफ प्रमुख ने प्रमुख क्रिस्टालिना जॉर्जीवा ने चेतावनी दी है कि इस वर्ष वै श्विक अर्थव्यवस्था का एक तिहाई हिस्सा मंदी की चपेट में रहेगा। अमेरिका यूरोपीय संघ और चीन में मंदी आने की वजह से साल 2022 की तुलना में साल 2023 ज्यादा कठिन होगा। एक खबर के मुतो बिक जो देश मंदी की चपेट में नहीं हैं वहां के करोड़ों लोगों के लिए मंदी जैसा महसूस होगा। आईएमएफ प्रमुख ने आगे चेतावनी दी कि दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी इकोनॉमी चीन को 2023 तक एक कठिन शुरुआत का सामना करना पड़ेगा। इस जीरो-कोविड पॉलिसी के कारण चीन 2022 में नाटकीय रूप से काफी स्लो हो गया है। 40 वर्षों में पहली बार 2022 में चीन की की ग्रोथ वै श्विक अर्थव्यवस्था के औसत से नीचे रहने की संभावना है। उन्होंने कहा कि अगले कुछ महीने चीन के लिए कठिन होंगे और चीनी विकास पर प्रभाव क्षेत्र पर प्रभाव और वैश्विक विकास पर प्रभाव नकारात्मक होगा। यह चेतावनी रूस-यूक्रेन युद्ध बढ़ती कीमतों उच्च ब्याज दरों और चीन में कोविड-19 महामारी की नई लहर के वै श्विक अर्थव्यवस्था पर दबाव के रूप में आई है। एक रिपोर्ट के अनुसार अक्टूबर 2022 में यूक्रेन में युद्ध के साथ-साथ दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों द्वारा बढ़ती कीमतों पर लगाम लगाने के प्रयास के कारण आईएमएफ ने 2023 के लिए अपने वैश्विक आर्थिक विकास के दृष्टिकोण में कटौती की थी।

टेस्ला ने चीन में मॉडल एस, एक्स लॉन्च करने की घोषणा की

हांगकांग।

एलन मस्क द्वारा संचालित टेस्ला ने चीन में मॉडल एस और मॉडल एक्स के आगामी लॉन्च की घोषणा की है, जिसकी कीमत शुक्रवार को सामने आएगी और डिलीवरी इस साल की पहली छमाही में होगी।इलेक्ट्रेक की रिपोर्ट के अनुसार, चूंकि ऑटोमेकर ने जनवरी 2021 में कारों को नया रूप देने के लिए उत्पादन बंद कर दिया था, इसलिए मॉडल एस और मॉडल एक्स चीन नहीं पहुंचे हैं। कंपनी ने एक बयान में कहा, दो परफोर्मेन्स मोन्सटर आधिकारिक तौर पर 6 जनवरी को कीमत की घोषणा करेंगे। डिलीवरी 2023 की पहली छमाही में शुरू होगी। 2020 के अंत तक चीन में 30,000 से अधिक मॉडल एस और मॉडल एक्स वाहन थे। रिपोर्ट में कहा गया, टेस्ला द्वारा कैलिफोर्निया में अपने फ्रेमोंट फैक्ट्री से आपूर्ति बंद करने से पहले चीनी बाजार कभी मॉडल एस और मॉडल एक्स के लिए एक महत्वपूर्ण बाजार था। अक्टूबर 2022 में, ऐसे संकेत थे कि मॉडल एस और मॉडल एक्स चीन वापस आ रहे थे क्योंकि वे चीनी सरकार के फाइलिंग में उल्लेख करते थे कि वाहन टैक्स छूट के पात्र होंगे।

मंगलवार को होगी रिलायंस कैपिटल सीओसी की अहम बैठक

मुंबई। (एजेंसी)

टोरेंट ग्रुप और हिंदुजा ग्रुप की संकल्प योजनाओं पर चर्चा के लिए मंगलवार को रिलायंस कैपिटल की कमेटी ऑफ क्रेडिटर्स (सीओसी) की बैठक होने वाली है।प्रशासक के कानूनी सलाहकार और सीओसी, एजेडबी एंड पार्टनर्स और लूथरा एंड लूथरा दोनों योजनाओं के कानूनी अनुपालन को प्रस्तुत करेंगे। इसके अलावा प्रशासक के वित्तीय सलाहकार डेलॉयट और सीओसी के केपीएमजी दोनों बोलीदाताओं की मूल्यांकन योजना पेश करेंगे। चैलेंज मैकेनिज्म के तहत आयोजित एक ई-नीलामी में टोरेंट ने 8,640 करोड़ रुपये के एनपीवी के साथ आरसीएपी के लिए एक समाधान योजना पेश की थी, जबकि आरसीएपी के लिए हिंदुजा का एनपीवी इन चैलेंज मैकेनिज्म 8,110 करोड़ रुपये था। ई-नीलामी समाप्त होने के बाद, हिंदुजा ने 9,000 करोड़ रुपये के एनपीवी के साथ एक संशोधित संकल्प योजना पेश की और इसने पूरे 9,000 करोड़ रुपये के लिए 100 प्रतिशत नकद अग्रिम देने की पेशकश की। दूसरी ओर, टोरेंट ने अग्रिम नकदी के रूप में केवल 3,750 करोड़ रुपये की पेशकश की है, जो हिंदुजा की पेशकश से 54 प्रतिशत कम है। बाकी 4,890 करोड़ रुपये का भुगतान टोरेंट पांच साल में करेगी। सूत्रों के मुताबिक, सीओसी हिंदुजा की पेशकश के पक्ष में है क्योंकि कर्जदाता पूरा पैसा एकमुश्त वसूल कर सकेंगे। मूल्य को और बढ़ाने के लिए दोनों बोलीदाताओं के साथ फिर से जुड़ने से पहले सीओसी टोरेंट को हिंदुजा के 9,000 करोड़ रुपये के प्रस्ताव का मिलान करने के लिए भी कह सकती है। आरसीएपी संकल्प को पूरा करने के लिए 31 मार्च, 2023 की एनसीएलटी की समय सीमा पूरी होने की संभावना नहीं है। संकल्प में पहले ही एक साल से अधिक की देरी हो चुकी है।

सैमसंग ने स्नैपड्रैगन 7सी प्लस जेनरेशन 3 प्रोसेसर के साथ नया लैपटॉप पेश किया

लंदन। (एजेंसी)

सैमसंग ने अपना नया लैपटॉप, गैलेक्सी बुक2 गो पेश किया है, जिसमें स्नैपड्रैगन 7सी प्लस जेन 3 कंप्यूट प्लेटफॉर्म प्रोसेसर, 14 इंच की फुल एचडी एलसीडी स्क्रीन और बहुत कुछ है।टेक दिग्गज ने एक ब्लॉगपोस्ट में कहा कि नया गैलेक्सी बुक2 गो एक कॉम्पैक्ट, उच्च-प्रदर्शन वाला पीसी है जो गैलेक्सी बुक2 रेंज के लिए एक किफायती प्रवेश बिंदु का प्रतिनिधित्व करता है। लैपटॉप पतला और हल्का है जिसकी मोटाई 15.5 मिमी और वजन 1.44 किलोग्राम है। इसके अल्ट्रा-कॉम्पैक्ट चेसिस में पतले किनारे हैं और बेहतर कलर मैचिंग और दृश्य के लिए इन-प्लेन स्विचिंग (आईपीएस) तकनीक के साथ 14 इंच की फुल एचडी एलसीडी स्क्रीन पेश करता है। नए लैपटॉप ने मिल-एसटीडी-810एच परीक्षण भी पास कर लिया है जो पुष्टि करता है कि यह अत्यधिक तापमान, ह्यूमिटिडी, झटके और वाइब्रेशन्स के लिए प्रतिरोधी है। यह स्नैपड्रैगन 7सी प्लस जेनरेशन 3 प्रोसेसर द्वारा संचालित है जिसके साथ यह उच्च प्रदर्शन प्रदान करता है। कंपनी के अनुसार, लैपटॉप लंबे समय तक चलने वाली बैटरी लाइफ भी प्रदान करता है ताकि उपयोगकर्ता एक बार चार्ज करने पर 21 घंटे तक का वीडियो देख सकें। टेक दिग्गज ने कहा, गैलेक्सी बुक2 गो की मार्केटिंग 20 जनवरी, 2023 से विशेष रूप से सैमसंग साइट पर फ्रांस में की जाएगी।

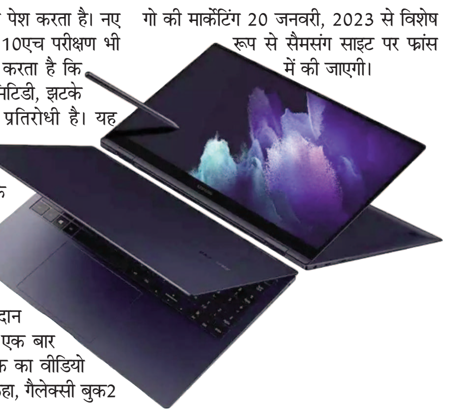

दिसंबर में विनिर्माण पीएमआई 13 माह के उच्चस्तर पर

नई दिल्ली । मजबूत मांग और नए ऑर्डर बढ़ने से देश की विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियां दिसंबर में बढ़कर 13 माह के उच्च स्तर पर पहुंच गईं। एक मासिक सर्वे से यह जानकारी मिली है। मौसमी रूप से समायोजित एसएंडपी ग्लोबल इंडिया विनिर्माण खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) दिसंबर में बढ़कर 57.8 पर पहुंच गया जो नवंबर में 55.7 था। इसकी वजह यह है कि पिछले दो साल में कारोबारी गतिविधियों में अब सबसे तेज सुधार देखने को मिल रहा है। दिसंबर के आंकड़ों से पता चलता है कि कुल परिचालन स्थितियां लगातार 18वें महीने सुधरी हैं। खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) की भाषा में 50 से अधिक अंक का मतलब विस्तार से है जबकि 50 से नीचे का आंकड़ा संकुचन को दर्शाता है। एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस की एसोसिएट निदेशक पोलियाना डी लीमा ने कहा कि 2022 की शुरुआत काफी अच्छी रही थी। उसके बाद से विनिर्माण क्षेत्र का प्रदर्शन लगातार अच्छा बना हुआ है। इस साल के ओ खिर में प सर्वे में कहा गया है कि दिसंबर में नियुक्ति गतिविधियां अच्छी रहीं। वहीं कंपनियों ने अपने भंडारण में बढ़ोतरी के लिए अच्छी खरीद की। एसएंडपी ग्लोबल इंडिया विनिर्माण पीएमआई एसएंडपी ग्लोबल द्वारा 400 विनिर्माताओं के खरीद प्रबंधकों से मिली प्रतिक्रिया के आधार पर तैयार किया जाता है। रिपोर्ट कहती है कि कंपनियां का नए साल के लिए उत्पादन को लेकर परिदृश्य सकारात्मक है।

सोना 55 हजार चांदी में भी तेजी

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

वैश्विक बाजार और भारतीय वायदा बाजार में सोने-चांदी का भाव हरे निशान में कारोबार कर रहा है। सोमवार 2 जनवरी को मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोने का भाव 0.17 फीसदी तेजी के साथ कारोबार कर रहा था। चांदी का भाव 0.13 फीसदी चढ़ा है। पिछले कारोबारी सत्र में एमसीएक्स पर सोने का भाव सपाट बंद हुआ था जबकि चांदी का भाव भी 0.97 फीसदी गिरकर बंद हुआ था।

सोमवार को वायदा बाजार में 24 कैरेट शुद्धता वाले सोने का भाव कल के बंद भाव से 95 रुपए तेज होकर 55112 रुपए प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा था। सोने का भाव 55052 रुपए पर खुला था। पिछले कारोबारी सत्र में सोने का भाव एमसीएक्स पर 54972 रुपए पर बंद हुआ था। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर चांदी में भी तेजी देखी जा रही है। चांदी का भाव 87 रुपए चढ़कर 69500 रुपए प्रति किलोग्राम हो गया है। चांदी का सुबह 69503 रुपए पर खुली और भाव एक बार 69433 रुपए तक चला गया लेकिन जल्द ही यह संभलकर 69503 रुपए गया। पिछले कारोबारी सत्र में एमसीएक्स पर चांदी का भाव 397 रुपए गिरकर 69370 रुपए पर बंद हुआ था। वैश्विक बाजार में सोमवार को सोने और चांदी का भाव हरे निशान में

कारोबार कर रहा था। सोने का हाजिर भाव 0.19 फीसदी बढ़कर 1827.41 डॉलर प्रति औंस हो गया है। वहीं चांदी में भी तेजी देखी गई है।

चांदी 0.02 फीसदी उछलकर 23.96 डॉलर प्रति औंस पर है। पिछले सप्ताह सोने की साप्ताहिक कीमतों में तेजी आई। पिछले कारोबारी हफ्ते में सोने के भाव में 481 रुपए प्रति 10 ग्राम की तेजी दर्ज की गई है जबकि चांदी के भाव में 339 रुपए प्रति किलोग्राम का उछाल आया।

इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों की बिक्री 2022 में छह लाख इकाई रही: एसएमईवी

मुंबई ।

सोसाइटी ऑफ मैन्युफैक्चरर्स ऑफ इलेक्ट्रिक व्हीकल्स (एसएमईवी) ने कहा कि इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों की बिक्री` पिछले साल लगभग छह लाख इकाई रही। इस दौरान तीन प्रमुख इलेक्ट्रिक दोपहिया (ई2डब्ल्यू) विनिर्माताओं हीरो इलेक्ट्रिक ओला और ओकिनावा ने पहली बार एक लाख वार्षिक बिक्री का आंकड़ा पार किया। इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों की बिक्री वित्त वर्ष 2022-23 में 10 लाख इकाइयों के बिक्री लक्ष्य से 20 प्रतिशत तक कम रह सकती है। उद्योग निकाय एसएमईवी ने कहा कि ऐसा मुख्य रूप से सरकार द्वारा लगभग 1100 करोड़ रुपए की सब्सिडी रोके जाने के कारण होगा। एसएमईवी ने कहा कि इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों की बिक्री 2022 में लगभग छह लाख इकाई रही। इस दौरान तीन प्रमुख इलेक्ट्रिक दोपहिया (ई2डब्ल्यू) विनिर्माताओं हीरो इलेक्ट्रिक ओला और ओकिनावा ने पहली बार एक लाख वार्षिक बिक्री का आंकड़ा पार किया। इन तीन कंपनियों ने ई2डब्ल्यू बाजार पर अपना दबदबा बनाए रखा और कुल बाजार हिस्सेदारी के 50 प्रतिशत से अधिक पर इनका कब्जा रहा। एसएमईवी ने कहा कि 2022 में ई2डब्ल्यू उद्योग का प्रदर्शन लगभग छह लाख इकाइयों की बिक्री के साथ सकारात्मक है लेकिन यह नीति आयोग और कई अन्य अनुसंधान एजेंसियों के अनुमानों के मुकाबले कम है।

अप्रैल-नवंबर में बिजली की कमी बढ़कर 0.6 प्रतिशत हुई

- बिजली की कमी एक वर्ष पहले की समान अवधि में 405.8 करोड़ यूनिट थी

मुंबई । (एजेंसी)

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक देश में अप्रैल से नवंबर 2022 के बीच बिजली की कमी 569.1 करोड़ यूनिट रही जो एक वर्ष पहले की समान अवधि में 405.8 करोड़ यूनिट थी। विशेषज्ञों का मानना है कि बिजली की इस कमी के कारण तकनीकी हैं। देश में बिजली की आवश्यकता और आपूर्ति के बीच का अंतर चालू वित्त वर्ष में अप्रैल से नवंबर के बीच मामूली बढ़कर 0.6 प्रतिशत हो गया। हालांकि इस अवधि में बिजली की मांग करीब 11 प्रतिशत बढ़ गई जो अर्थव्यवस्था में तेजी का सूचक है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक देश में बिजली की कमी अप्रैल से नवंबर 2022 के बीच 569.1 करोड़ यूनिट रही जो एक वर्ष पहले की समान अवधि में 405.8 करोड़ यूनिट थी। विशेषज्ञों का मानना है कि बिजली की इस कमी के कारण तकनीकी हैं। उनका कहना है कि भारत में पर्याप्त बिजली उपलब्ध है लेकिन कई बार वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) के पास बिजली की निरंतर आपूर्ति के लिए पैसा नहीं होता है। बिजली उत्पादकों ने

अप्रैल-नवंबर 2022 के बीच कुल 1012.249 अरब यूनिट बिजली की आपूर्ति की जबकि इस अवधि में बिजली की मांग 1017.94 अरब यूनिट रही। इस तरह बिजली की कमी 0.6 फीसदी रही। एक साल पहले अप्रैल-नवंबर 2021 में 916.529 अरब यूनिट बिजली की आपूर्ति की गई थी जबकि मांग 920.587 अरब यूनिट रही थी। इस प्रकार बिजली की कमी 0.4 फीसदी थी। आंकड़े बताते हैं कि समीक्षाधीन अवधि में बिजली की आवश्यकता या मांग सालाना आधार पर करीब 11 फीसदी बढ़ गई। विशेषज्ञों का कहना है कि आने वाले दिनों में बिजली की मांग और खपत दोनों बढ़ेगी और वृद्धि यह दहाई अंक में पहुंच जाएगी। आंकड़ों के मुताबिक एक दिन में सर्वाधिक आपूर्ति दिसंबर 2022 में 202 गीगावॉट रही। दिसंबर 2021 में 183.24 गीगावॉट और नवंबर 2022 में 187.38 गीगावॉट थी।

क्रूड 86 डॉलर के पार यूपी में पेट्रोल 6 पैसे महंगा

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में लगातार तेजी दिख रही है। पिछले 24 घंटे में इसकी कीमतों में करीब 3 डॉलर का उछाल आया है और ब्रेंट क्रूड का भाव 86 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गया है। इस बीच सरकारी तेल कंपनियों की ओर से सोमवार को पेट्रोल-डीजल की कीमतों में भी बदलाव दिख रहा और ज्यादातर शहरों में तेल के दाम बढ़ गए हैं। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार यूपी के गौतमबुद्ध नगर में पेट्रोल 6 पैसे महंगा हुआ और 96.65 रुपए लीटर बिक रहा है जबकि डीजल 6 पैसे बढ़कर 89.82 के भाव पहुंच गया है।

यूपी की राजधानी लखनऊ में भी पेट्रोल 11 पैसे महंगा हुआ 96.44 रुपए लीटर पहुंच गया जबकि डीजल 11 पैसे बढ़कर 89.64 रुपए लीटर है। हरियाणा की राजधानी गुरुग्राम में भी आज पेट्रोल 5 पैसे चढ़कर 96.89 रुपए लीटर हो गया जबकि डीजल 4 पैसे बढ़कर 89.76 रुपए लीटर बिक रहा है। कच्चे तेल की बात करें तो पिछले 24 घंटे के दौरान इसकी कीमतों में तेजी आई है। ब्रेंट क्रूड का भाव करीब 3 डॉलर चढ़कर 85.91 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। वहीं डब्ल्यूटीआई का भाव 1.25 डॉलर बढ़कर 80.26 डॉलर प्रति बैरल हो गया है। दिल्ली में पेट्रोल 96.65 रुपए और डीजल 89.82 रुपए प्रति लीटर मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर नोएडा में पेट्रोल 96.65 रुपए और डीजल 89.82 रुपए प्रति लीटर और लखनऊ में पेट्रोल 96.44 रुपए और डीजल 89.64 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

हार्दिक की कप्तानी में श्रीलंका के खिलाफ पहले टी20 में जीत के इरादे से उतरेगी टीम इंडिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई (ईएमएस)। ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या की कप्तानी में भारतीय टीम मंगलवार को यहां मेहमान टीम श्रीलंका के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज के पहले मुकाबले में जीत के इरादे से उतरेगी। इस मैच के साथ ही दोनो ही टीमें इस साल का अपना पहला मुकाबला खेलेंगी। इस मैच में भारत को अनुभवी खिलाड़ियों रोहित शर्मा विराट कोहली लोकेश राहुल आदि के बिना ही उतरना पड़ेगा। इससे युवाओं के पास अपने को साबित करने का अच्छा अवसर रहेगा। हार्दिक को भविष्य का कप्तान माना जाता है। ऐसे में इस सीरीज के जरिये वह भी अपनी नेतृत्व क्षमता साबित करना चाहेंगे।

हाल में भारतीय टीम निडर होकर टी20 क्रिकेट नहीं खेल पायी जिससे उसे पिछले साल एशिया कप और टी20 विश्वकप जैसे मुकाबलो में हार का सामना करना पड़ा था। टीम के शीर्ष क्रम के बल्लेबाज खुलकर खेलने में विफल रहे थे। इससे भी टीम के मध्य और निचले क्रम पर दबाव आया। पर्याप्त रन नहीं होने से गेंदबाज भी प्रभावी नहीं रहे। अनुभवी खिलाड़ियों के नहीं होने से इस सीरीज में ईशन किशन और रुतुराज गायकवाड जैसे युवा खिलाड़ियों को पर्याप्त अवसर मिलेंगे। यह दोनो ही पिछले कुछ वर्षों से आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन करते रहे हैं और इस सीरीज में इनके लिए टीम में अपने स्थान की चिंता किए बिना अपना कौशल दिखाने का पूरा मौका है। अगला टी20 विश्व कप 18 महीने बाद खेला जाना है और ऐसे में इन दोनों को पर्याप्त मौके मिलने की संभावना है।

वहीं अब तक टी20 अंतरराष्ट्रीय में पदार्पण नहीं कर पाने वाले शुभमन गिल सलामी बल्लेबाज के रूप में हार्दिक के पास एक और विकल्प रहेंगे। वहीं तीसरे नंबर पर आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव उतरेंगे। हार्दिक अंतिम एकादश में छह गेंदबाजों को रखने के पक्ष में हैं और ऐसे में पहले मैच में ऑलराउंडर दीपक हुड्डा को अवसर मिल सकता है। टीम प्रबंधन को मध्यक्रम में संजू सैमसन और राहुल त्रिपाठी में से किसी का चयन करना होगा। सैमसन अच्छे विकेटकीपर बल्लेबाज हैं पर हाल के दिनों में त्रिपाठी का प्रदर्शन घरेलू क्रिकेटर में शानदार रहा है जिसका लाभ उन्हें मिलेगा।

इसके बाद भी सैमसन को उनके अनुभव के आधार पर प्राथमिकता मिल सकती है। टीम में युवा तेज गेंदबाजों शिवम मावी और मुकेश कुमार को शामिल किया गया है पर इसके बाद भी अर्शदीप सिंह हर्षल पटेल और उमरान मलिक को अवसर मिलना तय है। स्पिनर के तौर पर वाशिंगटन सुंदर और अक्षर पटेल के रूप में भारतीय टीम के पास दो विकल्प हैं। श्रृंखला के पहले मैच में अनुभवी स्पिनर यजुवेंद्र चहल को मौका मिलने की संभावना है। वहीं दूसरी ओर श्रीलंकाई टीम भी इस सीरीज में जीत से शुरुआत करने के इरादे से उतरेगी। श्रीलंका ने कुछ समय पहले प्रीमियर लीग में अच्छा प्रदर्शन करने वाले अविष्का फर्नांडो चमिका करुणारत्ने और सदीरा समरविक्रमा जैसे खिलाड़ियों को शामिल किया है। फर्नांडो और करुणारत्ने ने टीम में वापसी की है और यह दोनो ही बेहतर प्रदर्शन करना चाहेंगे। टीम के पास मध्यक्रम में भानुका राजपक्षे जैस अच्छा खिलाड़ी है। कप्तान दासुन शनाका एक अच्छी रणनीति वाले कप्तान है इसके साथ ही वह अच्छी बल्लेबाजी भी करते हैं।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

भारत : हार्दिक पंड्या (कप्तान) इशान किशन (विकेटकीपर) रुतुराज गायकवाड़ शुभमन गिल सूर्यकुमार यादव (उप कप्तान) दीपक हुड्डा राहुल त्रिपाठी संजू सैमसन वाशिंगटन सुंदर युजवेंद्र चहल अक्षर पटेल अर्शदीप सिंह हर्षल पटेल उमरान मलिक शिवम मावी मुकेश कुमार।

श्रीलंका : दासुन शनाका (कप्तान) पाथुम निसंका अविष्का फर्नांडो सदीरा समरविक्रमा कुसाल मेंडिस भानुका राजपक्षे चारिथ असलंका धनंजय डी सिल्वा वानिंदु हसरंगा एशेन बंडारा महेश तीक्ष्णा चमिका करुणारत्ने दिलशान मदुशंका कसुन राजिथा डुनिथ वेलालेज प्रमोद मदुशन लाहिरू कुमारा नुवान तुषारा।

नोवाक जोकोविच को युगल मुकाबले में मिली हार, दर्शकों ने फिर भी किया जोरदार स्वागत

एडिलेड (एजेंसी)। नोवाक जोकोविच एडिलेड इंटरनेशनल टेनिस टूर्नामेंट में सोमवार को युगल मैच में हार गए लेकिन दर्शकों ने विश्व के नंबर एक खिलाड़ी का कोर्ट पर उतरने पर भव्य स्वागत किया। इस 21 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन को पिछले साल कोविड-19 के लिए टीकाकरण नहीं कराने के कारण ऑस्ट्रेलियाई ओपन से पहले ऑस्ट्रेलिया से निर्वासित कर दिया गया था।

जोकोविच ने वासेक पोस्पिसिल के साथ मिलकर युगल मैच से आस्ट्रेलियाई धरती में कोर्ट पर वापसी की लेकिन उन्हें टोमिस्लाव ब्रिकिच और गोंजालो एस्कोबार से 4-6 6-3 (10-5) से हार का सामना करना पड़ा। ऑस्ट्रेलियाई ओपन की तैयारियों के सिलसिले में इस टूर्नामेंट में खेल रहे जोकोविच एकल में अपने अभियान की शुरुआत मंगलवार को कांस्टेंट लिस्टिन के खिलाफ करेंगे। इससे पहले चेक गणराज्य की किशोरी लिंडा नोस्कोवा ने सोमवार को यहां रूस की आठवीं रैंकिंग की खिलाड़ी डारिया कसातकिना को तीन सेट तक चले संघर्षपूर्ण मुकाबले में हराकर 2023 सत्र का पहला उलटफेर किया।

विश्व में 102वीं रैंकिंग की 18 वर्षीय खिलाड़ी नोस्कोवा ने इस मैच में 6-3, 6-7(2), 6-3 से जीत दर्ज की। यह उनके करियर की सबसे बड़ी जीत है। चेक गणराज्य की इस खिलाड़ी ने इससे पहले विश्व में 58वें नंबर की अन्ना कालिंस्काया और 43वें नंबर की अनास्तासिया पोटापोवा को हराकर मुख्य ड्रा में जगह बनाई थी। नोस्कोवा अगले दौर में ऑस्ट्रेलिया की प्रिसिला होन और अमेरिकी क्वालीफायर क्लेयर लिउ के बीच होने वाले मैच के विजेता से भिड़ेंगी। दिन के अन्य मैचो में चौथी वरीयता प्राप्त रूस की वेरोनिका कुदेरमेतोवा ने अमेरिका की अमांडा अनीसिमोवा को 6-3, 6-0 से जबकि पुरुष वर्ग में जापान के योशिहितो निशिओका ने डेनमार्क के पांचवीं वरीयता प्राप्त होल्गर रून को 2-6, 6-4, 6-4 से हराया।

आईपीएल में बड़े खिलाड़ियों पर बोझ को कम करने बीसीसीआई ने फ्रेंचाइजी टीमों पर शिकंजा कसा

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने आईपीएल खेल रहे बड़े खिलाड़ियों पर पड़ रहे अनावश्यक बोझ को कम करने के लिए अब फ्रेंचाइजी टीमों की लगाम कस दी है। बीसीसीआई ने कहा है कि राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) अब आईपीएल टीमों के साथ मिलकर काम करेगा जिससे बड़े खिलाड़ियों के काम के बोझ को कम किया जा सके। यह फैसला अक्टूबर-नवंबर में भारत में होने वाले एकदिवसीय विश्व कप को ध्यान में रखकर किया गया है। इसके लिए 20 खिलाड़ियों का एक पूल भी तैयार किया जाएगा जिससे टी20 लीग के दौरान इन खिलाड़ियों को आराम दिया जा सके।

गौरतलब है कि इसी प्रकार का एक करार क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) और इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के बीच भी है। इसमें उसे फ्रेंचाइजियों का साथ भी मिला है। इससे पहले फ्रेंचाइजी ने बीसीसीआई और एनसीए को खिलाड़ियों को सीधे नियंत्रित करने का अधिकार देने से मना कर दिया था और वे समय-समय पर रिपोर्ट साझा करते रहते थे पर इस बार बीसीसीआई ने पहली बार आधिकारिक तौर पर आईपीएल में निगरानी की बात कही है। वहीं अगर बात काम के बोझ की है तो देखना होगा कि बीसीसीआई इसके बारे में क्या सोचता है। सीए और इंग्लैंड बोर्ड (ईसीबी) फ्रेंचाइजी से नियमित रूप से खिलाड़ियों का डाटा साझा करने के लिए कहते हैं। इसी की समीक्षा के आधार पर उन्हें विदेशी टी20 लीग में खेलने की इजाजत दी जाती है।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज में ऋषभ पंत का कौन बनेगा विकल्प? रेस में यह खिलाड़ी सबसे आगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत का हाल में ही भयानक एक्सीडेंट हो गया था। इस एक्सीडेंट की वजह से ऋषभ पंत का जल्द ही मैदान में वापसी करना मुश्किल नजर आ रहा है। ऐसे में भारत को टेस्ट क्रिकेट में ऋषभ पंत की कमी खल सकती हैं। वनडे और टी-20 मुकाबलों में भारत के पास विकेटकीपिंग के कई विकल्प हैं, लेकिन टेस्ट क्रिकेट में ऋषभ पंत लगातार टीम इंडिया के लिए खेलते नजर आ रहे थे। फरवरी में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच टेस्ट सीरीज का आगाज हो रहा है। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में पहुंचने के लिए भारत को इस संख्या में अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

हालांकि, ऋषभ पंत के अलावा टेस्ट श्रृंखला में विकेटकीपर की भूमिका में बहुत ज्यादा लोगों को नहीं आजमाया गया है। यही कारण है कि टेस्ट में ऋषभ पंत की जगह को भर पाना काफी मुश्किल नजर आ रहा है। ऋषभ पंत की जगह कई खिलाड़ी अपनी दावेदारी पेश कर सकते हैं जिसमें ईशान किशन, उपेंद्र यादव और संजू सैमसन का नाम शामिल है। हालांकि, एक और खिलाड़ी है जो भारत के लिए टेस्ट क्रिकेट में विकेटकीपिंग कर सकता है, उस खिलाड़ी का नाम केएस भरत है। ऋषभ पंत के विकल्प के तौर पर कई बार टीम में के इस भारत को रखा भी जा चुका है। ऐसे में माना जा रहा है कि केएस भरत को आगामी ऑस्ट्रेलिया सीरीज के लिए टीम में ऋषभ पंत का रिप्लेसमेंट के तौर पर शामिल किया जा सकता है।

लेकिन, कुछ वरिष्ठ खिलाड़ियों का मानना है कि केएस भारत की जगह युवा विकेटकीपर बल्लेबाजों को मौका दिया जाना चाहिए। एक चैनल से बातचीत करते हुए सबा करीम ने कहा कि मुझे लगता है कि ऋषभ पंत जिस तरह से टेस्ट क्रिकेट में अपनी भूमिका निभा रहे थे, उसमें ईशान किशन उनके रिप्लेसमेंट हो सकते हैं। ईशान किशन ने रणजी ट्रॉफी में भी शानदार प्रदर्शन किया है। हाल में एकदिवसीय क्रिकेट में दोहरा शतक लगाने के बाद उनका आत्मविश्वास भी ज्यादा है। वह टेस्ट क्रिकेट में भी पूरी तरह से फिट हो सकते हैं। इसके अलावा संजू सैमसन को लेकर भी चर्चा है। केएस भारत भारत ए के लिए नियमित विकेटकीपर के तौर पर खेलते रहे।

हरियाणा के खेलमंत्री संदीप पर आरोप लगाने वाली कोच को मिली सुरक्षा

पंचकूला। हरियाणा के खेल मंत्री सरदार संदीप सिंह को जहां एक महिला कोच से छेड़छाड़ के आरोप में अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा है। इस मामले में कोच ने गृह मंत्री अनिल विज से मुलाकात कर सुरक्षा मांगी थी जो उन्हें उपलब्ध करायी गयी है। वहीं पुलिस ने इस मामले में खेल मंत्री रहे संदीप के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है। जूनियर महिला कोच ने कहा है कि वह जल्द ही अपना बयान पुलिस को देगी। पीड़िता ने कहां कि चंडीगढ़ पुलिस पर उन्हें पूरा भरोसा है। मुझे उम्मीद है कि इस मामले में उन्हें इंसाफ मिलेगा। वहीं पीड़िता ने कहा कि मैं नेशनल एथलीट हूं। मैं ओलंपिक टीम का हिस्सा थी पर ओलंपिक नहीं खेल पाई थी। महिला कोच ने कहा कि गृहमंत्री विज ने उन्हें न्याय मिलने का भरोसा दिया है। विज ने आश्वासन दिया है कि सच को सामने लाया जाएगा। वहीं दूसरी ओर पूर्व ओलंपियन संदीप ने आरोपों को गलत बताते हुए कहा कि यह उनकी छवि को खराब करने का प्रयास है। संदीप ने कहा कि वह हार प्रकार की जांच के लिए तैयार हैं।

अभी एकदिवसीय और टेस्ट में रोहित ही रहेंगे कप्तान

मुम्बई ।अभी एकदिवसीय और टेस्ट क्रिकेट में रोहित शर्मा ही भारतीय टीम के कप्तान बने रहेंगे ।इसका अंदाज इसलिए हुआ है क्योंकि रविवार को हुई भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की बैठक में कप्तानी को लेकर कोई फैसला नहीं हुआ ।यह बैठक इसी साल देश में होने वाले एकदिवसीय विश्वकप को देखते हुए आयोजित की गयी थी पर इसमें कप्तानी को लेकर कोई बात नहीं हुई ।इससे साफ है कि रोहित की एकदिवसीय और टेस्ट कप्तानी बनी रहेगी ।इस बैठक में रोहत के अलावा बीसीसीआई अध्यक्ष रोजर बिन्नी सचिव जय शाह मुख्य कोच राहुल द्रविड़ पिछली चयन समिति के अध्यक्ष चेतन शर्मा और राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण उपस्थित थे ।

वहीं श्रीलंका के खिलाफ मंगलवार से होने वाली 3 मैचों की टी20 सीरीज में कप्तानी कर रहे हार्दिक पंड्या इस बैठक में थे ।रोहित टेस्ट और एकदिवसीय में भारत की कप्तानी कर रहे हैं और इन दोनों प्रारुपों में कप्तान के रूप में उनके भविष्य के बारे में ऐसी कोई चर्चा नहीं हुई ।इसका कारण यह भी माना जा रहा है कि टेस्ट और एकदिवसीय में उनकी कप्तानी का रिकॉर्ड बेहद प्रभावशाली है ।

पाकिस्तान से बमुश्किल टूटी कीवियों की ओपनिंग साझेदारी, न्यूजीलैंड 309/6

स्पोर्ट्स डेस्क (एजेंसी)। कराची के नेशनल स्टेडियम में पाकिस्तान के गेंदबाज दूसरे टेस्ट में न्यूजीलैंड की ओपनिंग साझेदारी को तोडने में जद्दोजहद करते हुए दिखे। अनुभवी तेज गेंदबाजों की गैर-हाजिरी में बॉलिंग करने उतरे मीर हमजा, अबरार अहमद, आघा सलमान की न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों ने खूब पिटाई की और दिन का खेल समाप्त होने तक 6 विकेट पर 309 रन बना लिए। न्यूजीलैंड की ओर से ड्वेन कॉनवे टॉप स्कोरर रहे जिन्होंने 191 गेंदों में 16 चौके और एक छक्के की मदद से 122 रन बनाए।

न्यूजीलैंड के ओपनर्स ने मैच की जोरदार शुरूआत की थी। स्पाट पिच पर टॉम लैथम और ड्वेन कॉनवे ने पहले विकेट के लिए 35.1 ओवर में 134 रन जोड़े थे। टॉम लैथम ने 100 गेंदों में 9 चौकों की मदद से 71 रन बनाए। वहीं, एक छोर पर खड़े ड्वेन कॉनवे ने लगातार रन बनाने जारी रखे और साल का पहला शतक लगाया। कॉनवे को केन विलियमसन का बाखूबी साथ मिला। केन ने 36 रन बनाए और स्कोर 240 तक ले गए। बता दें कि ड्वेन ने 2022 की शुरूआत में हुए टेस्ट में भी पहला शतक लगाया था।

बहरहाल, कॉनवे के 122 रन पर आऊट होने के बाद पाकिस्तानी गेंदबाजों ने वापसी की और कुल छह विकेट लिए। नसीम शाह इस दौरान किफायती रहे। उन्होंने 16 ओवर में 6 मेडन फेंककर 44 रन देते हुए 4 विकेट लिए जबकि आघा सलमान 55 रन देकर 3 विकेट लेने में सफल रहे। स्पिनर अबरार अहमद सबसे महंगे साबित हुए। उन्होंने 24 ओवर में 101 रन देते हुए एक विकेट लिया।

फिट्ज ने ज्वेरेव को हराया, अमेरिका ने जर्मनी पर बढ़त बनाई

सिडनी ।टेलर फिट्ज ने अपनी शानदार सर्विस के दम पर एलेक्जेंडर ज्वेरेव को 6-1, 6-4 से हराया जिससे अमेरिका सोमवार को यहां यूनाइटेड कप मिश्रित टेनिस टीम चैंपियनशिप में जर्मनी पर शुरुआती बढ़त हासिल करने में सफल रहा। नौवीं रैंकिंग के फिट्ज ने पहली सर्विस पर 96 प्रतिशत अंक हासिल किए जिससे वह इस मुकाबले को 64 मिनट में जीतने में सफल रहे। बारहवीं रैंकिंग के ज्वेरेव के पास फिट्ज की दमदार सर्विस का कोई जवाब नहीं था। यदि अमेरिका इस मुकाबले में जर्मनी को हरा देता है या फिर 2-3 के अंतर से हारता है तो वह ग्रुप सी से क्वार्टर फाइनल में जगह बना लेगा।

फोर्ब्स लिस्ट : कमाऊ महिला एथलीट्स की लिस्ट में पी.वी. सिंधु का स्थान 12वां

खेल डैस्क ।फोर्ब्स के अनुसार भारतीय स्टार बैडमिंटन प्लेयर पीवी सिंधु 2022 में दुनिया की 12वीं सबसे ज्यादा कमाई करने वाली महिला एथलीट थीं ।अमरीकी व्यापार पत्रिका द्वारा जारी शीर्ष 25 महिला एथलीटों की सूची में 27 वर्षीय एकमात्र बैडमिंटन खिलाड़ी और एकमात्र भारतीय थीं ।विश्व नंबर 6 ने राष्ट्रमंडल खेलों में ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीतने से पहले जनवरी में लखनऊ में सैयद मोदी इंडिया इंटरनेशनल, मार्च में स्विस ओपन और जुलाई में सिंगापुर ओपन जीता था। वह चोटिल भी हुईं लेकिन बावजूद इसके अपना विश्व रैंक बनाए रखने में सफल रहीं ।सिंधु अगली बार इस महीने के अंत में नई दिल्ली में इंडिया ओपन में दिखाई देंगी ।फोर्ब्स द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक सिंधु की साल में कुल कमाई 7.1 मिलियन डॉलर (59 करोड़ रुपए) थी ।सबसे अधिक वेतन पाने वाली महिला एथलीट नाओमी ओसाका थीं ।उनके बाद सेरेना विलियम्स थीं ।सिंधु से अधिक वेतन पाने वाले 11 एथलीटों में से सात टेनिस खिलाड़ी थे ।ऐसा पहली बार हुआ है जब 8 महिला एथलीटों ने 10 मिलियन डॉलर से ज्यादा कमाई की है ।सिंधु ने ज्यादा कमाई विज्ञापनों से की है ।

भारत और पाकिस्तान दौरे से हटे न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मिल्ने

वेलिंगटन। (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज एडम मिल्ने पर्याप्त तैयारी नहीं कर पाने के कारण भारत और पाकिस्तान के सीमित ओवरों के दौरे से हट गए हैं। मिल्ने हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के बावजूद भारत के खिलाफ घरेलू श्रृंखला में खेले थे लेकिन इसके बाद वह दिसंबर में फोर्ड ट्रॉफी के दो मैचों में नहीं खेल पाए थे। वह इसके बाद वेलिंगटन फायरबर्ड्स की तरफ से सुपर स्मैश के पहले दो मैचों में खेले लेकिन पाकिस्तान और भारत के 16 दिवसीय दौरे में छह वनडे खेलने को बड़ा जोखिम माना गया। इसके बाद आपसी सहमति से मिल्ने की जगह तेज गेंदबाज ब्लेयर टिकनर को टीम में शामिल करने का फैसला किया गया जो टेस्ट टीम के साथ अभी पाकिस्तान में हैं।

न्यूजीलैंड के चयनकर्ता गैविन लार्सन ने कहा यह फैसला करना आसान नहीं था। उन्होंने न्यूजीलैंड क्रिकेट के बयान में कहा, ''एडम ने हमें अपनी चिंताओं से स्पष्ट तौर पर अवगत कराया। उससे बात करने के बाद हम ने सहमति जताई के लगातार तीन मैचों की दो एकदिवसीय श्रृंखलाओं में खेलने के लिए उनकी तैयारियां पर्याप्त नहीं हैं। हम उनकी ईमानदारी की सराहना करते हैं।'' वनडे श्रृंखला में खेलने वाले खिलाड़ी चार जनवरी को पाकिस्तान रवाना होंगे। भारत के खिलाफ तीन एक दिवसीय और इतनी ही टी20 मैचों की श्रृंखला 18 जनवरी से शुरू होगी।

खिलाड़ियों में सच्ची टीम भावना, विश्व कप के लिए उत्साहित: सुखजीत सिंह

राउरकेला (एजेंसी)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के फॉरवर्ड सुखजीत सिंह ने विश्व कप की तैयारियों के बीच सोमवार को कहा कि सभी खिलाड़ी टीम भावना से खेलने के पूरी तरह से तैयार है और वह पहले मैच में स्पेन से भिड़ने के लिए बेहद उत्साहित हैं।

सुखजीत ने टीम शिविर में हॉकी इंडिया से बातचीत के दौरान कहा, 'शिविर में सभी के बीच सच्ची टीम भावना है। हम सभी वास्तव में स्पेन के खिलाफ अपने पहले मैच में उतरने के लिए तैयार हैं। हर कोई सकारात्मक महसूस कर रहा है और एक-दूसरे का समर्थन कर रहा है। हमारे बीच एकता की वास्तविक भावना है जो है देखना रोमांचक है।' फरवरी 2022 में भारत के लिये पदार्पण करने वाले सुखजीत अपना पहला हॉकी विश्व कप खेल रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह भारत में होने वाले सबसे बड़े आयोजन में देश का प्रतिनिधित्व करने को लेकर रोमांचित हैं।

उन्होंने कहा, 'मैं बहुत खुश हूं और मुख्य कोच ग्राहम रीड का शुक्रगुजार हूं, जिन्होंने पिछले एक साल में मेरे प्रदर्शन को देखने के बाद मुझे टीम का हिस्सा बनने का मौका दिया। मैं खेलने के लिए वास्तव में उत्साहित हूं क्योंकि एफआईएच हॉकी विश्व कप न केवल खेल का सबसे बड़ा मंच है, बल्कि यह हमारे घरेलू मैदान पर खेला जा रहा है। भारतीय प्रशंसकों के सामने हॉकी खेलना हमेशा खास होता है।'

सुखजीत ने कहा, 'हमने सुना है कि राउरकेला में सभी टिकट बिक चुके हैं, इसलिए हम जानते हैं कि स्टेडियम खचाखच भरा होगा। प्रशंसकों के बीच उत्साह देखकर भी अच्छा लगता है।' भारत को शीर्ष टूर्नामेंट के लिये स्पेन, इंग्लैंड और वेल्स के साथ पूल डी में रखा गया है। सुखजीत का मानना है कि विपक्षी टीमें कड़ी हैं, लेकिन पिछले एक साल में तीनों टीमों से खेलने से भारत को तैयारी करने में मदद मिलेगी।

सुखजीत ने कहा, 'हमारे पूल में स्पेन, इंग्लैंड और वेल्स हैं। हमने पिछले साल प्रो लीग में स्पेन और इंग्लैंड के खिलाफ खेला था, जबकि राष्ट्रमंडल खेल 2022 में वेल्स का सामना किया था। हम उन प्रदर्शनों को देखेंगे और इसके अनुसार खुद को तैयार करेंगे।' सुखजीत ने टूर्नामेंट में भारतीय टीम की कप्तानी कर रहे हरमनप्रीत सिंह की तारीफ करते हुए कहा कि वह टीम के लिये अहम खिलाड़ी साबित होंगे। उन्होंने कहा, 'हरमनप्रीत सिंह इस समय दुनिया के सर्वश्रेष्ठ ड्रैगफ्लिकरों में से एक हैं और हमें खुशी है कि वह हमारी टीम के कप्तान हैं। हम सभी को विश्वास है कि वह अच्छी तरह हमारा नेतृत्व करेंगे और हम पूरे टूर्नामेंट में उनका पूरा समर्थन करेंगे।'

आईपीएल का ये सत्र जीतना चाहेगी मुम्बई इंडियंस

मुम्बई ।मुंबई इंडियंस टीम इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का ये सत्र जीतना चाहेगी ।पिछले सत्र में मुम्बई का प्रदर्शन बेहद खराब रहा था और वह अंतिम स्थान पर रही थी ।इस बार मुम्बई ने अपनी टीम में कई बदलाव भी किये हैं और उसके पास जोफ्रा आर्चर जेसन बेहरेनडॉर्फ जैसे खिलाड़ी भी हैं। मुम्बई ने 2023 सत्र के लिए ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जेसन बेहरेनडॉर्फ को अपनी टीम में शामिल किया है ।मुम्बई ने उसे रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) ने लिया है ।आरसीबी ने बेहरेनडॉर्फ को 2022 की आईपीएल नीलामी में 75 लाख रुपये के आधार मूल्य पर खरीदा था ।बेहरेनडॉर्फ ने इससे पहले साल 2021 में चेन्नई सुपर किंग्स 2018 में मुंबई इंडियंस और 2022 में आरसीबी की ओर से खेला था ।अब वह 2023 के आईपीएल में मुंबई इंडियंस की तरफ से खेलेंगे ।इससे पहले वह 2018 में मुंबई की तरफ से खेला था ।मुंबई ने नए सीजन से पहले बड़े बदलाव करने का फैसला लिया है ।मुंबई टीम ने अपने सबसे अनुभवी खिलाड़ियों मे से एक कीरोन पोलार्ड को बाहर कर दिया है ।वह 2010 से ही टीम में शामिल थे ।इसके अलावा टीम ने दो और विदेशी खिलाड़ियों वेस्टइंडिज के फैबियन एलन और इंग्लैंड के टाइमल मिल्स को भी हटा दिया है ।भारतीय खिलाड़ियों में टीम ने मयंक मार्कंडे और ऋतिक शौकीन को बाहर किया है ।

गुजरात की प्रथम महिला मुख्य सचिव डॉ. मंजूला सुब्रह्मण्यम का निधन पीएम मोदी ने दुःख जताया

वडोदरा। गुजरात की पहली महिला मुख्य सचिव डॉ. मंजूला सुब्रह्मण्यम का निधन हो गया है। पिले काफी समय से बीमार चल रही है डॉ. मंजूला सुब्रह्मण्यम में रविवार को वडोदरा में अंतिम सांस ली। उनके निधन पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने दुख व्यक्त किया है। पीएम मोदी ने ट्वीट कर डॉ. मंजूला सुब्रह्मण्यम के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा 'उनके निधन से काफी दुःखी हैं। डॉ. मंजूला सुब्रह्मण्यम को उनकी समझ और कार्यशैली की वजह से चारों ओर सम्मान मिला। जब मैं गुजरात का मुख्यमंत्री था तब उनके साथ हुई बातचीत याद है। उनके परिजनों और मित्रों के प्रति मेरी संवेदना। ओम शांति।' मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने अपने ट्वीट में लिखा 'गुजरात की पहली महिला मुख्य सचिव डॉ. मंजूला सुब्रह्मण्यम के निधन पर दुखी हूं। राज्य की विकास यात्रा में उनका योगदान प्रशंसनीय है। प्रभु उनकी आत्मा को शांति प्रदान करे और उनके परिजनों को यह दुख सहन करने की शक्ति दे ऐसी प्रार्थना। ओम शांति' डॉ. मंजूला सुब्रह्मण्यम 1912 बैच की आईएएस अधिकारी थीं। 2008 में निवृत्त होने के पश्चात भी उन्होंने कई पदों पर सेवा दी। डॉ. मंजूला सुब्रह्मण्यम का गुजरात के बतौर मुख्य सचिव का कार्यकाल 1 सितंबर 2002 से 30 सितंबर 2008 तक रहा। हांलाकि उनके निवृत्त होने के बाद उनकी स्वच्छ छवि को देखते हुए सरकार ने उन्हें विजिलन्स कमिश्नर बनाया था। निवृत्ति के पश्चात भी वे कई महत्वपूर्ण पदों पर रहीं। अहमदाबाद के साबरमती रिवरफ्रंट डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन में उनका महत्वपूर्ण योगदान दिया था। इसके अलावा वे गुजरात इंडस्ट्रीयल पावर कंपनी (जीआईपीसीएल) में भी निदेशक थीं। इस पद से उन्होंने अपनी स्वास्थ्य समस्याओं के चलते इस्तीफा दिया था। डॉ. मंजूला सुब्रह्मण्यम के निधन से पूरे आईएएस बेडे में शोक व्याप्त है।

वुल्फ सेवन पे प्रेज़ेन्ट्स ध फाइनल काउंटडाउन में थर्टी-फर्स्ट की पार्टी में डूबा सूरत का यंगिस्तान

सूरत भूमि,सूरत। रॉयल टीन्स के उत्कर्ष जीतेंद्र भगत तथा रीबाउन्स इवेंट के चिरायु सोमाणीने वेसु स्थीत रीबाउन्स में द फाइनल काउंटडाउन नाम की नये साल की पार्टी का आयोजन किया।

थर्टी फर्स्ट की रात 8 बजे से डीजे चार्ली व डीजे प्रांशु एवम जॉम्बी ब्रदर्स ने सुरती यंगिस्तान को अपने जादुई संगीत से मदहोश कर दिया. डीजे की मदहोश धुनों और संगीत पर रात 12 बजे तक युवा दिल झूमते रहे।

इस पार्टी में एक हजार से ज्यादा युवक-युवतियां शामिल हुए। रात 12 बजे आर.के. नासिक ढोल की ध्वनि के साथ नववर्ष का स्वागत हर्षोल्लास के साथ किया गया। उस समय सभी ने एक-दूसरे को नए साल की बधाई देकर जश्न की शुरुआत की। डीजे चार्ली और डीजे प्रांशु और ज़ोंबी ब्रदर्स और उनकी टीम ने भी अपने अद्वितीय संगीत प्रदर्शन और नाचगान के साथ सभी को नव वर्ष की शुभकामनाएं दीं।

जन्मदात्री ने दो महीने की मासूम बच्ची को तीसरी मंझिल से फैंका हत्या के आरोप में माता गिरफ्तार

अहमदाबाद। शहर के सिविल अस्पताल में एक जन्मदात्री ने अपनी दो महीने की मासूम बच्ची को तीसरी मंझिल से फैंक उसे मौत के घाट उतार दिया। महिला के पति की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। प्राथमिक जांच में खुलासा हुआ कि जन्म से ही बच्ची रोगग्रस्त थी जिससे परेशान होकर महिला ने उसकी हत्या कर दी। आणंद जिले की पेटलाद तहसील के रावली गांव निवासी आसिफमियां मलेक और पत्नी फरजानाबानु के परिवार में दो महीने पहले बेटी का जन्म हुआ था। बेटी जन्म से बीमार थी जिससे उसे वडोदरा के एसएसजी अस्पताल में भर्ती कराया था। जहां डॉक्टर ने बताया कि दूषित पानी पीने की वजह से उसकी तबियत खराब हुई थी। बाद में अंतडी का हिस्सा बाहर निकलने पर नडियाद के सिविल अस्पताल में उसका उपचार कराया गया। लेकिन उसकी तबियत में सुधार ना देख बच्ची को अहमदाबाद के सिविल अस्पताल में दाखिल किया गया था। रविवार की सुबह आसिफमियां ने अस्पताल के वार्ड 3 में अपनी दो महीने की बेटी गायब होने पर उसकी तलाश शुरू कर दी। सच्चाई यह थी कि जन्मदात्री फरजाना ने दो महीने की बेटी को अस्पताल की तीसरी मंझिल से नीचे फैंक दिया था जिसमें उसकी मौत हो गई थी। बेटी को नीचे फैंकने का बाद फरजाना ने उसके लापता होने का नाटक किया। लेकिन अस्पताल में लगे सीसीटीवी कैमरों ने फरजाना के झूठ की पोल खोल दी।

अस्पताल के सीसीटीवी चेक करने पर उसमें फरजाना अपनी बेटी को तीसरी मंझिल से फैंक दिख रही है। इस खुलासे के बाद आसिफमियां ने शाहीबाग पुलिस थाने में पत्नी फरजाना के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवा दी। जिसके आधार पर पुलिस ने फरजाना को गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ में फरजाना ने बताया कि बेटी जन्म से ही बीमार रहती थी जिससे वह परेशान हो गई थी। इस वजह से उसने अपनी बेटी को तीसरी मंझिल से फैंक दिया।

शहर में रविवार से विशाल श्रीमद भागवत कथा का आयोजन

सूरत भूमि, सूरत। एकल श्रीहरि वनवासी विकास ट्रस्ट द्वारा मल मास के उपलक्ष में विशाल श्रीमद भागवत कथा का आयोजन रविवार, आठ जनवरी से किया जायेगा । एकल श्रीहरि वनवासी विकास ट्रस्ट के राष्टीय अध्यक्ष सीए महेश मित्तल ने बताया की श्रीमद भागवत कथा का आयोजन वेसु स्थित रामलीला मैदान में प्रतिदिन दोपहर तीन बजे से शाम सात बजे तक किया जायेगा । व्यासपीठ से श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ न्यास के कोषाध्यक्ष गोविंददेव गिरिजी महाराज भागवत कथा का रसपान कराएंगें । कथा का मुख्य उद्देश्य अपनी संस्कृति के प्रति जन जन तक जागृति फैलाना है अपनी संस्कृति के प्रति । पूरे देश में लगभग 12000 से अधिक गाँव में संस्कार शिक्षा केंद्र चल रहे है । गुजरात में भी लगभग 2000 गाँव में संस्कार शिक्षा केंद्र चल रहे हैं । एकल श्री हरि के कार्य का यह प्रभाव हुआ कि व्यसन मुक्ति में सहायता मिली । एकल श्रीहरि के द्वारा सूरत की शबरी बस्ती में भी एकल विद्यालय चल रहे हैं । शबरी बस्ती के लोगों के साथ सभी सामाजिक, राष्टीय और धार्मिक उत्सव मनाते हैं ।

एकल श्रीहरि के अध्यक्ष रमेश अग्रवाल ने बताया की सूरत की एकल श्री हरि की पूरी टीम कथा की व्यवस्था में जुट गई है और एकल श्री हरि के उद्देश्यों की जानकारी और संस्था से जोड़ने के लिए घर घर सम्पर्क कर रहे हैं । कथा के दौरान व्यवस्थाओं के सफल सञ्चालन हेतु अनेकों समितियों बनाई गयी है ।

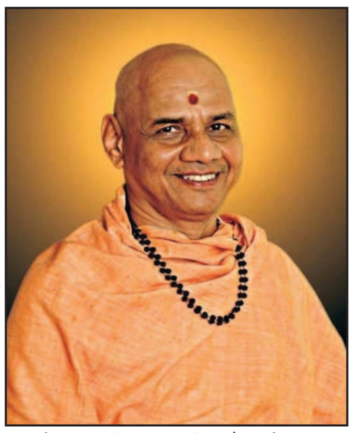

फाइव एलिमेंट्स साधना - एकल श्रीहरि के गुजरात प्रदेश अध्यक्ष रतनलाल दारुका ने बताया की भागवत कथा के दौरान तीन दिवसीय फाइव एलिमेंट्स साधना शिविर का आयोजन बुधवार, ग्यारह जनवरी से शुक्रवार, तेरह जनवरी तक रामलीला मैदान में सुबह छः बजे से आठ बजे तक किया जायेगा । शिविर में नासिक स्थित निरवाना से गुरु माँ साधना का महत्व बताएगी एवं योग करवाएगी ।

ना ओटीपी शेयर की और ना कोई अज्ञात लिंक खोली फिर भी एकाउंट से 37 लाख रुपए साफ

मेहसाणा। किसी को ओटीपी शेयर करने या कोई अज्ञात लिंक क्लीक करने पर बैंक खाते से रुपए साफ होने की कई घटनाएं सुनी होंगी। लेकिन ऐसा कुछ भी करे बगैर बैंक एकाउंट से लाखों रुपए किसी अन्य खाते में ट्रांसफर हो जाने की अजीबोगरीब घटना सामने आई है। इतनी बड़ी रकम आखिर कैसे एक एकाउंट से दूसरे एकाउंट में ट्रांसफर हो गई इसका जवाब फिलहाल ना तो बैंक के पास और ना ही पुलिस के पास। मेहसाणा पुलिस मामले की जांच कर रही है। मेहसाणा निवासी दुष्यंत उमेदभाई पटेल बिल्डर हैं और राधनपुर रोड स्थित साकेत बिजनस हब में उनकी उर्वी कंस्ट्रक्शन कंपनी नामक ऑफीस है। व्यावसायिक कामकाज के दुष्यंत पटेल ने मेहसाणा स्थित आईसीआईसीआई बैंक में सीसी एकाउंट खुलवाया था। जिसमें लाखों रुपए जमा-उधार होते थे। पेशे से बिल्डर दुष्यंत पटेल अपने एकाउंट का ब्यौरा काफी गोपनीय रखते थे। इसके बावजूद उनके एकाउंट से एक ही दिन में तीन ट्रांजेक्शन के जरिए रु. 37 लाख अन्य एकाउंट में ट्रांसफर हो गए। इतनी बड़ी रकम अपने एकाउंट से ट्रांसफर होने से दुष्यंत पटेल चौंक उठे और तुरंत बैंक पहुंच गए। तुरंत बैंक से संपर्क करने से दुष्यंत पटेल की अन्य रकम ट्रांसफर होने से बच गई। लेकिन 37 लाख रुपए उनके खाते से अन्य के खाते में कैसे पहुंच गए इसका जवाब बैंक और पुलिस के पास फिलहाल नहीं है। घटना 21 दिसंबर की है जब दोपहर सवा तीन बजे के आसपास दुष्यंत पटेल के मोबाइल पर उनके एकाउंट से रु. 10 लाख डेबिट होने का मैसेज आया। जिसे देख दुष्यंत पटेल चौंक उठे। वह कुछ समझ पाते कि मोबाइल पर दूसरा मैसेज आ गया और उसमें रु. 10 लाख निकाले जाने की जानकारी थी। ठीक 3.49 बजे दुष्यंत पटेल के मोबाइल आए मैसेज में उनके एकाउंट से रु. 17 लाख डेबिट किए जाने की सूचना थी। करीब आधे घंटे के भीतर दुष्यंत पटेल को तीन मैसेज मिले और एकाउंट से रु. 37 लाख साफ हो गए। राहत की बात यह थी कि दुष्यंत पटेल के बैंक पहुंचने से अन्य ट्रांजेक्शन रुक गया। इस अजीबोगरीब फ्रॉड के मामले में फिलहाल इतना पता चला है कि दुष्यंत पटेल के एकाउंट से आईसीआईसीआई के खाता नंबर 161205501051 और 092805001870 में ट्रांसफर हुए हैं। चौंकाने वाली बात यह है कि तीनों ट्रांजेक्शन के लिए बैंक रजिस्टर मोबाइल नंबर पर ना कोई ओटीपी ना कोई लिंक और ना ही कोई फ्रॉड कॉल आया। फिलहाल दुष्यंत पटेल की शिकायत के आधार पर मेहसाणा साइबर क्राइम पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

मातृभूमि विद्यासंकुल में शनिवार को स्पोर्ट्स कार्निवाल 2022 का भव्य आयोजन

सूरत भूमि, सूरत। मातृभूमि विद्यासंकुल में दिनांक 31.12.2022 शनिवार को स्पोर्ट्स कार्निवाल 2022 का भव्य आयोजन किया गया। जिसमें विद्यालय द्वारा विद्यालय से खेल मैदान तक जन जागरूकता रैली निकाली गई। ग्राउन्ड पर प्रार्थना व परेड करके विद्यालय के अध्यक्ष श्री भूपतभाई एम सुखडिया और ट्रस्टी एवं बच्चों के प्रेरणा स्त्रोत लक्ष्मण बिरहाडे ने उपस्थित रहे। जिनके द्वारा दीप जलाकर खेल कार्निवाल का शुभारंभ किया गया। स्पॉर्ट कार्निवाल में गुजराती माध्यम के आचार्यश्री विष्णुभाई पटेल द्वारा मुख्य भाषण दिए जाने के बाद खेलों की शुरुआत हुई। इस स्पोर्ट कार्निवाल में स्कूल के सभी बच्चों यानि 4000 विद्यार्थियों ने एक साथ भाग लिया और पूरे मैदान को खेलमय बना दिया। मैदान में खिलाडियों का खासा उत्साह रहा, जिसमें बच्चों ने कबड्डी, खोखो, डिश थ्रो, लेमन स्पून, बुक बैलेंस, रोप जम्प, पानी से बाहर

बैंगन, एक मिनट में बिस्किट खाना, बकेट बॉल जैसे कई खेलों में उत्साह से भाग लिया. , बैग जंप, ट्राई लेग रेस जैसे खेल में भाग लिया था। इन खेलों में से प्रत्येक खेल में से तीन कुमार और तीन कन्या का चयन किया गया और प्रत्येक विजेता छात्र को स्कूल द्वारा मेडल और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस दिन खेल दिवस में माता-पिता का भी बहुत अहम योगदान होता है। इस कार्यक्रम में विद्यालय के सभी स्टाफ सदस्यों ने इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए बहुत मेहनत की। जिसके लिए विद्यालय के मराठी माध्यम के प्रधानाचार्य श्री पाटिल शिवाजीभाई ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम पूर्ण होने की घोषणा की।

चाइनीज मांझा से कटी होकी खिलाडी की जिदंगी की डोर गले की सभी नसें कट गई

वडोदरा । चाइनीज मांझा के उपयोग प्रतिबंध के बावजूद चोरी-छिपे इसकी बिक्री हो रही है जो निर्दोष लोगों की जान ले रही है। वडोदरा में रहनेवाले होकी खिलाडी की चाइनीज मांझा से मौत हो गई। वहीं सूरत में चाइनीज मांझा ने एक युवक की जान ले ली। जानकारी के मुताबिक वडोदरा दंतेश्वर क्षेत्र में रहनेवाले 30 वर्षीय गिरीश बाथम मोटर साइकिल पर रबारीवास के निकट से गुजर रहे थे। उस वक्त चाइनीज मांझा से गिरीश का गला कट गया। लहुलूहान हालत में गिरीश बाथम को तुरंत अस्पताल पहुंचा गया। राष्टीय स्तर पर खेल चुके होकी खिलाडी गिरीश बाथम की गले की सभी नसें कट जाने की वजह से उनकी मौत हो गई। वहीं सूरत के कामरेज में भी ऐसी घटना में बलवंत उर्फ राजु पटेल नामक युवक की मौत हो गई। सूरत के एक लूम्स की फैक्ट्री में काम करने वाले बलवंत पटेल मोटर साइकिल पर कामराज चौराहे के निकट से गुजर रहा था। उस वक्त चाइनीज मांझा बलवंत पटेल के गले में फंस गया। गले की नसें कटने से बलवंत पटेल की मौत हो गई। उत्तरायण से पहले दो युवकों की मौत की घटना से सवाल उठता है कि जब चाइनीज मांझा पर प्रतिबंध है तो इसकी बिक्री कैसे हो रही है? दो निर्दोष युवकों की मौत का जिम्मेदार आखिर कौन है?

ससुरालियों की प्रताड़ना से परेशान विवाहिता ने फांसी लगाकर दे दी जान पति और ससुर गिरफ्तार

अहमदाबाद। शहर के रामोल क्षेत्र में ससुरालियों की प्रताड़ना से परेशान एक विवाहिता ने फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। पुलिस को घटनास्थल से स्युसाइट मिला है जिसमें लिखा है ससुराल पक्ष को बहु नहीं बल्कि नौकरानी चाहिए थी। पुलिस ने मृतका के पति और ससुर को गिरफ्तार कर आगे की कार्यवाही शुरू की है। जानकारी के मुताबिक अहमदाबाद के रामोल क्षेत्र के उमियानगर में रहनेवाले महेन्द्रसिंह उर्फ पिन्टू चौहाण की 2020 में युवती के साथ शादी हुई थी। शादी के 4 महीने के बाद से पति सास और ससुर दहेज की मांग को लेकर विवाहिता को मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताडि़त करने लगे। ससुराल पक्ष कहता 'तेरा भाई आर्मी में नौकरी करता है इसके बावजूद दहेज में कुछ भी नहीं दिया।' आए दिन की प्रताड़ना से तंग आकर गत 30 दिसंबर की रात विवाहिता ने अपने बेडरूम में फांसी लगाकर जान दे दी। आत्महत्या से पहले विवाहिता द्वारा लिखा गया स्युसाइड नोट पुलिस को मिला है। जिसमें उसने लिखा है 'ससुरालियों की प्रताड़ना से परेशान होकर वह अपनी जान दे रही है।' स्युसाइड नोट के आधार पर रामोल पुलिस ने महेन्द्रसिंह चौहाण गुलाबसिंह चौहाण और सुशीला चौहाण के खिलाफ आत्महत्या की दुष्प्रेरणा का मामला दर्ज किया है। साथ ही मृतका के पति और ससुर को गिरफ्तार कर मामले की जांच कर रही है। पुलिस की प्राथमिक जांच में खुलासा हुआ है कि मृतका के ससुर गुलाबसिंह चौहाण गुजरात पुलिस में बतौर पीआई सेवा कर चुके हैं और फिलहाल निवृत्त जीवन बिता रहे हैं। जबकि मृतका का पति महेन्द्रसिंह चौहाण टोल टैक्स में नौकरी करता है।

शारदा विद्या मंदिर संकुल को गौरव

सूरत भूमि, सूरत। शारदा विद्यामंदिर संकुल, पुनागम में पढ़ने वाले कक्षा 11वीं के छात्र देवगणिया यस ने एसवीएस 7 सुभाष चंद्र बोस की जयंती के अवसर पर स्पीच प्रतियोगिता में प्रथम रैंक हासिल किया है। विद्यालय परिवार की ओर से तथा ट्रस्टी व प्राचार्य की ओर से उन्हें सम्मानित किया गया।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-22 142 11, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)